



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 230]
No. 230]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 25, 2005/भाद्र 3, 1927
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 25, 2005/BHADRA 3, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय:—चीन जन. गण., कोरिया गण. और उक्रेन से साइट्रिक एसिड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/12/2004-डीजीएडी.— 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से मै0 सोलारिस बायो कैमिकल्स लि0 की ओर से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई थी जिसमें चीन जन.गण., कोरिया गण. और उक्रेन (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित साइट्रिक एसिड (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है।
- (ii) प्राधिकारी ने नियम 5 के उप नियम 5 के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए पूर्ण प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के विषय में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।

- (iii) प्राधिकारी ने 27 अगस्त, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था, जिसके द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची I के तहत आने वाले साइट्रिक एसिड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी कार्रवाई आरंभ की गई थी ।
- (iv) प्राधिकारी ने नियम 6 (2) के अनुसार उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संघों और शिकायतकर्ता को भेजी और उन्हें लिखित रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया ।
- (v) नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को भी जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचित किया गया था और उन्हें यह अनुरोध किया गया था कि वे अपने संबंधित देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें ।
- (vi) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी:-
1. तियाजिन हेंग्यी इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन.गण.
 2. सिहुआन साईन्स ट्रेड डेवलपमेंट कं. लि., चीन जन.गण.
 3. शिनवोन इण्डस्ट्रियल कं. लि., कोरिया गणराज्य
 4. बी के सी एक्सपोर्ट्स इंक, उक्रेन ।
- (vii) बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (जिसे एतदपश्चात् एम ई टी कहा गया है) प्रश्नावली भी चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों और ब्यूरो ऑफ फेयर ट्रेड फॉर इम्पोर्ट्स एंड एक्सपोर्ट्स, चीन सरकार को संगत सूचना मंगाने के लिए भेजी ।
- (viii) मैसर्स गांसु झुएजिंग बायोकेमिकल, चीन जन.गण. (उत्पादक) (जिसे एतदपश्चात् गांसु कहा गया है), मैसर्स आन्हुई गार्मेंट्स शूज एण्ड कैप्स इंडस्ट्रियल ग्रुप कंपनी, चीन जन.गण. (निर्यातक जिसे एतदपश्चात् आन्हुई कहा गया है) और मैसर्स खाखोव प्लांट ऑफ सिट्रिक एसिड, खाखोव रीजन,

उक्रेन (जिसे एतद्पश्चात् खार्खोव कहा गया है) ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है । कुछेक निर्यातकों और आयातकों ने प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था और प्राधिकारी ने निर्यातकों एवं आयातकों के अनुरोध पर विचार करने के पश्चात् प्रश्नावली का उत्तर देने और अपने अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए समयवधि बढ़ायी थी ।

(ix) प्रश्नावली संबद्ध माल के निम्नलिखित ज्ञात प्रयोक्ता/आयातकों को भेजी गयी थी:-

1. मैसर्स सी.जे.शाह एण्ड कं., मुम्बई
2. मैसर्स सिप्ला लि., पुणे
3. मैसर्स टाटा टी लि., पुणे
4. मैसर्स पार्क आर्गेनिक्स लि. मुंबई
5. मैसर्स स्पार्कलिक्स ट्रेडिंग प्रा० लि०, मुंबई
6. मैसर्स शुभ ट्रेडिंग कं., मुंबई
7. मैसर्स अमिजल कैमिकल्स

(x) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उन्हें हितबद्ध पार्टियों को देखने के लिए खुला रखा ।

(xi) प्राधिकारी ने पाटन और पाटित आयातों के कारण हो रही क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गयी सभी सूचना मांगी और उनका सत्यापन किया । प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गयी सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की । प्राधिकारी ने सहयोगी चीनी निर्यातकों की भी मौके पर जांच की ।

(xii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का विश्लेषण भी किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा ।

(xiii) जांच शुरुआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए हेतु फिक्की, सी आई आई, एसोचेम आदि में परिचालित की गयीं ।

- (xiv) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) तथा वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) कोलकाता से भी अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें।
- (xv) उक्त नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा 22.7.2005 को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध की जांच करने पर प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए 14/8/2005 तक का समय दिया गया था। मिली टिप्पणियों पर भी अंतिम निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है।
- (xvi) *** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता लगता है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमानुसार गोपनीय ही माना गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत कीमत एवं लागत निर्धारण संबंधी सूचना को संबंधित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया था और इन्हें प्राधिकारी द्वारा गोपनीय ही माना गया है।
- (xvii) पाटन एवं क्षति जांच में 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक की अवधि शामिल है (जिसे एतद्पश्चात् जांच अवधि अथवा पी ओ आई कहा गया है)। क्षति विश्लेषण के संबंध में रुझानों की जांच में अप्रैल, 2001, मार्च, 2002, अप्रैल, 2002-मार्च, 2003 और अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 शामिल थी।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. विचाराधीन उत्पाद साइट्रिक एसिड है। साइट्रिक एसिड का मुख्यतः खाद्य एवं पेयजल, साफ्ट ड्रिक्स, कन्फैक्सनरी, ड्रग्स में प्रयोग किया जाता है। इसके टैक्सटाइल डाइंग और मुद्रण उद्योग तथा अन्य औद्योगिक उपयोग भी हैं जैसे कि वायलर क्लीनिंग, आदि में किया जाता है। ओ जी एल के अंतर्गत इसका मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है। यह 2918.14 के उपशीर्ष के तहत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 में वर्गीकृत है। कस्टम के वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और वे जांच के कार्यक्षेत्र पर बंधनकारी नहीं हैं।

ग. समान वस्तु

3. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं में विशेष अंतर नहीं है। नियम 2 (घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो जांचाधीन वस्तुओं से हर प्रकार से 'समनुरूप' अथवा 'समान' है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से

अत्यधिक मिलती जुलती हैं। इस बात को सिद्ध करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है, प्राधिकारी ने तकनीकी विनिर्देशनों, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण पर विचार किया है। किसी भी हितबद्ध पार्टी ने समान वस्तु के मुद्दे के बारे में कोई तर्क नहीं दिया है। उपर्युक्त के दृष्टिगत यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध माल नियमावली 2 (घ) के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे माल के समान है।

घ. घरेलू उद्योग

4. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि साइट्रिक एसिड के घरेलू उद्योग की संरचना में परिवर्तन हुआ है क्योंकि साइट्रिक एसिड के उत्पादक विगत वर्षों में परिवर्तित हुए हैं। उन्होंने कहा है कि आवेदक कंपनी ने पूर्ववर्ती बंद इकाई मैसर्स भारत स्टार्च इंडस्ट्रीज लि० की देनदारियां ली हैं और उच्च उत्पादन लागत के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की गयी थी और प्राधिकारी ने यह पाया था कि संबद्ध माल का दूसरा उत्पादक मैसर्स सितुर्जिया बॉयोकेमिकल्स लि० का जांच अवधि के दौरान कोई उत्पादन नहीं हुआ है। आवेदक कंपनी मैसर्स सोलारिस बॉयोकेमिकल्स लि० ने दिसम्बर, 2001 में अपना उत्पादन शुरू किया है और इसका वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 2003 से ही प्रारंभ हुआ था। जहां तक अधिक उत्पादन लागत का संबंध है, वहां यह बात नोट की जाती है कि नुकसान रहित कीमत का निर्धारण संबद्ध माल के उत्पादन में प्रयुक्त कच्ची सामग्री की लागत, उसकी खपत, उपयोगी वस्तुओं की लागत, ब्याज लागत, श्रम लागत, मूल्यह्रास लागत और बिक्री तथा वितरण व्यय एवं निवेश लागत समेत सभी संबंधित कारकों पर विचार करने के पश्चात् किया जाता है। यह बात भी नोट की जाती है कि किसी किस्म की असक्षमता को समाप्त करने के लिए नुकसान रहित कीमत का निर्धारण क्षमता उपयोग के सामान्य स्तर पर किया गया है। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि आवेदक जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का एकमात्र उत्पादक था। अतः उसके पास पाटनरोधी नियम 2 (ख) के नियम 5(3) के अनुसार आवेदन दायर करने का आधार है।

घ.1 अगोपनीय सूचना प्रस्तुत करना

5. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि निर्यातकों ने गोपनीयता के अत्यधिक प्रयोग का सहारा लिया है। अगोपनीय आधार पर निर्यातक द्वारा जो सूचना प्रदान की गयी है उससे गोपनीय आधार पर प्रदान की गयी सूचना के सार को नहीं समझा जा सकता है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि निर्यातक अगोपनीय अंश की अपेक्षाओं से इतर सम्पूर्ण अनुरोध करने में असफल रहे हैं। निर्यातकों ने भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने निर्यातकों के हितों की प्रभावी एवं अर्थपूर्ण रक्षा करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने के लिए अगोपनीय अंश के पर्याप्त सारांश प्रदान नहीं किए जिससे डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.51 का उल्लंघन हुआ है। घरेलू उद्योग और निर्यातक दोनों ने तर्क दिया है कि उनके संबंधित उत्तरों के अगोपनीय अंश पर्याप्त थे और सूचना एवं आंकड़ों की संख्या गोपनीय रखी गयी थी और यह बात नोट की जाती है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त अगोपनीय उत्तर फाइल में रखे गए थे और उन्हें सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध करा दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों की कीमतों और लागतों के बारे में सूचना के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के दावे की जांच करने पर प्राधिकारी ने व्यापार संवेदनशीलता के कारण इस सूचना को गोपनीय माना था।

ड. पाटन मार्जिन की गणना हेतु प्रणाली एवं बाजार अर्थव्यवस्था की जांच

6. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 9 क (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य से सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजीं और निम्नलिखित से उनके उत्तर प्राप्त किये;

- (i) मै0 गान्सु झेउजिंग बायोकेमिकल लि0, चीन जन.गण. (उत्पादक) (जिसे एतदपश्चात् गान्सु कहा गया है)
- (ii) मै0 ऐन्हुई गार्मेन्ट्स शूज एवं कैप्स इंडस्ट्रियल ग्रुप कंपनी, चीन जन.गण. (निर्यातक) (जिसे एतदपश्चात् ऐन्हुई कहा गया है), और
- (iii) मै0 खारखोव प्लान्ट ऑफ क्रिटिक एसिड, खारखोव रीजन, उक्रेन (जिसे एतदपश्चात् खारखोव कहा गया है) ।

ड.1 हितबद्ध पार्टियों के विचार

7. हितबद्ध पार्टियों के विचारों का सारांश निम्नानुसार है;

- (i) घरेलू उद्योग क्रिटिक एसिड का उत्पादन सुगर रूट के जरिए करता है जो कि व्यवहारिक नहीं हो सकता है जबकि चीन की कम्पनियाँ कार्बन स्टार्च सीरप का प्रयोग करती हैं और उनका आर्थिक मानदंड भी बहुत प्रतिस्पर्धात्मक है । इस कारण से उनकी उत्पादन लागत बहुत कम है और वे भारत सहित पूरे विश्व में बहुत ही प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर निर्यात करने में सक्षम हैं ।
- (ii) भारत के क्रिटिक एसिड की औसत निर्यात कीमत, चीन की भारत को निर्यात कीमत से कम है । मै0 सोलारिस बायोकेमिकल्स लि0 की बैलेन्स शीट से यह देखा गया है कि उन्होंने निर्यात की वास्तविक मात्रा को प्रभावित किया है और यही उनकी हानियों का प्रमुख कारण है । यदि ये निर्यात अन्यथा प्रभावित न हुए होते तो प्रारंभिक प्रचालन के लिए हानि अथवा विशिष्ट हानियाँ नहीं होती ।
- (iii) प्रकटन विवरण की टिप्पणियों में उन्होंने कहा है कि इन दोनों कंपनियों में सरकार का कोई दखल नहीं है और ये दोनों कंपनियाँ स्वतंत्र रूप से निर्णय ले रही हैं तथा बाजार अर्थव्यवस्था में प्रचालनरत किसी भी कंपनी की तरह लाभ अर्जित कर रही हैं ।
- (iv) उन्होंने यह स्वीकार किया है कि श्रमिक सहकारिताओं द्वारा प्रबंधन के अधिग्रहण की भारत को भी अनुमति है और इसका तात्पर्य यह नहीं है कि यह पारदर्शी ढंग से चलाया नहीं गया है । यद्यपि मै0 सोलारिस ने पिछली कंपनी का अधिग्रहण अधिक मात्रा में बट्टे खाते डालते हुए एवं एक भाग के बहुल शेयरधारकों को उसी स्थिति में रखते हुए किया है ।
- (v) निर्णायक समीक्षा को प्राधिकारी द्वारा योग्यता के आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया है, एक नयी जांच के जरिए लाभ को पुनः प्रदान करना उपयुक्त नहीं है । चीन के मामले में पाटनरोधी शुल्क लागू था और उन प्रभावों से पाटनरोधी शुल्क हटाने के बाद केवल 330 मी.टन आयात प्रभावित

हुआ है यह भी सूचित किया जाता है कि एक अन्य उत्पादक मै0 सिचुर्गिया द्वारा उत्पादन सुविधा को बंद करने के कारण आयातों के बाजार शेयरों में वृद्धि हुई है।

ड.2 घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग के विचारों का सारांश नीचे दिया गया है:-

- (i) चीन के निर्यातक मै0 एन्हुई ने क्रमशः दिनांक 2.2.2004 और 6.3.2004 को 110 एवं 120 मी.टन की दो खेपें निर्यात की हैं। इन खेपों की अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 की अवधि के लिए डी जी सी आई एंड एस के निर्यात आंकड़ों में कोई सूचना दर्ज नहीं है इसलिए चीनी कंपनी अलग से पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए योग्य नहीं है।
- (ii) घरेलू उद्योग ने एक बार पुनः दोहराया है कि कोरियाई और मलेशियाई निर्यात के चीनी मूल का होने की बहुत संभावना है और आयातक संबद्ध वस्तु पर पाटित मूल्यों के यानान्तरण द्वारा पाटनरोधी शुल्क के कर अपवंचन में अन्तर्ग्रस्त हैं क्योंकि चीन से साइट्रिक एसिड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगा हुआ था। एक घरेलू उत्पादक अर्थात् मै0 सिचुर्गिया ने अपना प्रचालन पहले से ही बंद किया हुआ है जो कि पाटित आयातों के कारण होने वाली क्षति का संकेतक है।

ड.3 चीन जन.गण.

मै0 गान्सु झेउजिंग बायोकेमिकल लि0 चीन जन.गण. (उत्पादक) के विचार

9. गान्सु (उत्पादक) ने अपना उत्पादन दिनांक 28/9/2003 को सरकार के स्वामित्व की वर्तमान सत्ता का अधिग्रहण करने के बाद शुरू किया। कंपनी सितम्बर, 2003 में लिमिटेड कंपनी हो गयी। कंपनी ने दावा किया है कि यह चीन जन.गण. के कंपनी कानून के अंतर्गत शामिल एवं रजिस्टर्ड है और सभी प्रमुख निर्णय चीनी कानून के अनुसार लिए जाते हैं। उन्होंने कहा है कि कंपनी के निदेशक एवं शेयरधारक चीन जन.गण. और भारत में साइट्रिक एसिड के उत्पादन एवं बिक्री से संबंधित किसी दूसरी कंपनी के शेयरधारक नहीं है। उत्पादक ने दावा किया है कि कंपनी का प्रचालन बाजार आधारित अर्थव्यवस्था पर हो रहा है और साइट्रिक एसिड की कीमतें बाजार भावों पर निर्भर हैं। उन्होंने दावा किया है कि सब्सिडी प्रदत्त कच्चे माल एवं उपयोगिता वस्तुओं की आपूर्ति नहीं हुई थी और वे बाजार से प्रचलित कीमतों पर खरीदी गयी थी। यह माना जाता है कि घरेलू बाजार में साइट्रिक एसिड की कीमतें भारत की निर्यात कीमत से कम हैं और कंपनी लाभ अर्जित कर रही है।

10. कंपनी ने दावा किया है कि यह चीन जनवादी गणराज्य के सिविल प्रक्रिया न्यायालय द्वारा विनियमित होती है जो कि उद्यमों के दिवालियापन एवं कर्ज के वापसी की कानूनी निश्चितता संबंधी कार्रवाई करता है। अनुच्छेद 199 कंपनी के प्रचालन में विधिक निश्चितता एवं स्थिरता की गारंटी प्रदान करता है जैसे कानूनी कार्रवाई करने की अनुमति देना जो सत्ता द्वारा किन्हीं बड़े घाटों के मामले में ऋणदाताओं को मुख्य सुरक्षा के लिए आश्वस्त करता है।

11. कम्पनी ने यह दावा किया है कि स्थानीय बाजार से कच्ची सामग्री की खरीद की गयी थी और खरीदी गयी कच्ची सामग्रियों की कीमत स्थानीय बाजारों में प्रचलित कीमत प्रदर्शित करती है और आर्डर सामान्यतया आपूर्तिकर्ताओं द्वारा उल्लिखित न्यूनतम कीमत के आधार पर दिए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया है कि कच्ची सामग्रियाँ निर्णय लेने की प्रक्रिया में राज्य की भागीदारी के बिना बाजार विनियमित कीमतों पर विभिन्न स्रोतों से कम की जाती हैं। कम्पनी कच्ची सामग्रियों की खरीद और उपयोगी वस्तुओं की खरीद के बारे में स्वयं निर्णय लेती है।

12. एम ई टी के अपने दावे के समर्थन में उन्होंने कहा था कि 39 देशों ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्राजील, अर्जेंटीना, रूस, दक्षिण अफ्रीका आदि समेत चीन को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का दर्जा दिया है। भारत ने भी अनेक पाटनरोधी जांचों में कई चीनी कम्पनियों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया है। अतः इस कम्पनी को भी बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए।

मैसर्स अन्हुई गार्मेट्स शूज एण्ड कैप्स इण्डस्ट्रियल ग्रुप कम्पनी, चीन जन. गण. (निर्यातक के विचार)

13. अन्हुई (निर्यातक) एक लिमिटेड कम्पनी है जिसकी स्थापना चीन जन. गण. के कानूनों के अनुसार की गयी है। इस कम्पनी की स्थापना 1992 में की गयी थी और यह पिछले तीन वित्तीय वर्षों से मुनाफा कमा रही है। बोर्ड के सभी सदस्य निर्वाचित सदस्य हैं और उनमें से कुछेक कम्पनी के कार्यरत कर्मचारी हैं। बोर्ड के सदस्य कम्पनी के शेयरधारकों के प्रतिनिधि हैं। अन्हुई प्रोविन्स टेक्सटाइल एसोसिएशन कम्पनी की शेयरधारक है।

14. अन्हुई एक स्वतंत्र व्यवसाय सत्ता है और इसका गांसु के साथ उसके माल का क्रय एवं निर्यात करने के सिवाय कोई सरोकार नहीं है। माल का स्थानीय तौर पर क्रय कर निर्यात किया जाता है। गांसु से साइट्रिक एसिड का क्रय करते समय कीमत एकमात्र कारक होता है। गांसु द्वारा कोई कमीशन देय नहीं होता है क्योंकि माल का क्रय स्थानीय क्रय सौदे के जरिए सीधी बिक्री के आधार पर होता है। क्रय मूल्य और निर्यात मूल्य में जो भी अंतर होता है वह अन्हुई द्वारा अर्जित लाभ होता है।

15. निर्यातों पर कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जाता है। जैसाकि माल के विनिर्माता अर्थात् मैसर्स गांसु झुएजिंग बायोकेमिकल कं. लि. द्वारा दावा किया गया है। तथापि, निर्यातक निर्यातों पर 13% की दर पर शुल्क वापस लेने और उसे रखने का हकदार है। उनका यह दावा है कि साइट्रिक एसिड का क्रय कारखाना द्वार कीमत के आधार पर किया जाता है। अतः वे वैट समेत माल की लागत का भुगतान करते हैं। इसके अतिरिक्त निर्यात सौदे के संदर्भ में तियांजिन पत्तन को स्थानीय भाड़े; समुद्री भाड़े; आपूर्तिकर्ता फैक्ट्री द्वारा क्रेता भण्डारगार का बीमा और बैंक प्रभारों का भी भुगतान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, निर्यातक फैक्ट्री से माल बाहर निकालते समय की मूल्यांकन योग्य मूल्य के 13% की दर पर साइट्रिक एसिड के निर्यातों पर शुल्क वापस लेता है। इसे विनिर्माता को नहीं दिया जाता है क्योंकि इसे स्थानीय तौर पर क्रय किया जाता है और वैट समेत कीमत का भुगतान किया जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

16. निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य के आकलन के प्रायोजनार्थ पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 8(2) के अनुसार एक अनुमान के साथ आगे बढ़ते हैं कि कोई ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच से पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान पाटनरोधी जांच के

प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया है अथवा माना गया है, वह एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के सदस्यों जैसे ई यू और अमरीका ने पाटनरोधी जांचों में चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। वर्तमान मामले में, चीन जन. गण. की जांच एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में किए जाने का प्रस्ताव है।

17. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली भेजी। गांसु (उत्पादक) और अन्हुई (निर्यातक) से अपूर्ण उत्तर प्राप्त हुए हैं। अनुरोधों की जांच की गयी और 2.12.2004 को कमियों से संबंधित एक विस्तृत पत्र जारी किया गया था और बाद में उसे निर्यातक के प्रतिनिधियों को स्पष्ट किया गया था। बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में उन्होंने पूर्ण उत्तर प्रस्तुत किया और अपने गृह बाजार में साइट्रिक एसिड की घरेलू बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का अनुरोध किया था। एम ई टी व्यवहार के बारे में उनके दावे को देखते हुए प्रतिवादी सहयोगी उत्पादक और निर्यातक के परिसरों में सत्यापन किया। चीनी उत्पादक ने इन आधारों पर अलग-अलग व्यवहार का दावा किया है कि अपने व्यवसाय कार्यकलाप में राज्य के किसी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप अथवा प्रभाव के बिना देश में प्रचलित अर्थव्यवस्था की स्थिति पर विचार किए बिना बाजार अर्थव्यवस्था की दशा में कार्य कर रहे हैं। ब्यूरो ऑफ फेयर ट्रेड, वाणिज्य मंत्रालय, चीन जन. गण. ने भी सामान्य प्रश्नावली का उत्तर दिया है जिस पर इस जांच में संगत सीमा तक विचार कर लिया गया है।

18. चीन जन. गण. मूल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांचों में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 एवं 8 के अनुसार किया जाएगा। प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 में यह व्यवस्था है कि :

' गैर- बाजार देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा । '

पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में व्यवस्था है कि :

8.(1) ' गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ' शब्द का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियाँ उप पैराग्राफ 3 में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को दर्शाती हैं । '

(2) यह कहना परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते, तथापि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर ऐसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह साबित करे कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

19. यह नोट किया जाता है कि उत्तर देने वाले चीनी उत्पादक ने पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) में यथा-उल्लिखित सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंड पर विचार कर सकें कि क्या

(क) प्रौद्योगिकी की कच्ची सामग्रियों की लागत और श्रम, निविष्टि बिक्रियां और निवेश समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करता है;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

20. क्या प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या कच्चे माल सहित निविष्टियों की लागत, कीमत, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन बिक्री तथा निवेश के बारे में ऐसे देश की संबंधित फर्मों का निर्णय राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना आपूर्ति एवं मांग को दर्शाने वाले बाजारी संकेतों के प्रत्युत्तर में लिए जाते हैं और इस संबंध में क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रदर्शित करती हैं। आंकड़ों के सत्यापन के पश्चात प्राधिकारी ने तथ्यों को उजागर करते हुए एक विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की है। जांच रिपोर्ट के उत्तर में उन्होंने तर्क दिया है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दायरा पाटन निर्धारण के लिए सीमित है और प्राधिकारी को केवल जांच की अवधि के लिए सूचना/आंकड़ों की जांच करना अपेक्षित है, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए जांच अवधि से पूर्व के आंकड़ों/सूचना के लिए नहीं।

21. चीनी कंपनी मूल कच्ची सामग्री अर्थात् कॉर्न से स्टार्च और सिट्रिक एसिड दोनों का विनिर्माण करती है। उत्पाद कैटेलॉग में तरल उर्वरक का उल्लेख कंपनी के एक उत्पाद के रूप में किया गया है। पृष्ठताछ पर कंपनी ने स्पष्ट किया कि इस उत्पाद का विनिर्माण अब उनके द्वारा नहीं किया जाता है। इस उत्पाद का विनिर्माण पहले की व्यवसाय निकाय मै. गैंग्सू लिंज स्टार्च प्लांट द्वारा किया जाता था और इसका उत्पादन 1997 से बंद कर दिया गया है जिसके लिए उचित स्पष्टीकरण जांच दल को उपलब्ध नहीं कराया जा सका। उत्पादक ने केवल नई कंपनी के अस्तित्व में आने की अवधि के लिए सूचना उपलब्ध कराई है। जांच रिपोर्ट के उत्तर में कंपनी ने अनुरोध किया है कि " कंपनी ने उत्पादन सितम्बर, 2003 में आरम्भ किया है " और इसलिए आंकड़े केवल सितम्बर, 2003 से मार्च, 2004 तक की अवधि के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी ने आगे अनुरोध किया है कि गैंग्सू द्वारा उत्तर प्रस्तुत किया गया है और वे केवल इस कानूनी निकाय के संबंध में ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकृत हैं। वे पूर्ववर्ती राज्य के

स्वामित्व वाली कंपनी मै. गैंग्सू स्टार्च प्लांट लि. के संबंध में ब्यौरे देने के लिए प्राधिकृत नहीं हैं क्योंकि पूर्ववर्ती संयंत्र परिसमापन की ओर चला गया था। पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाली कंपनी के पूर्ववर्ती अवधियों के कंपनी आंकड़ों/सूचना की अनुपस्थिति में प्राधिकारी कंपनी की लाभप्रदता की प्रवृत्तियों और राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना उनकी स्वतंत्र कार्य प्रणाली की जांच नहीं कर सके। कॉर्न लेखा खातों में बड़ी खरीद बनता है और सिट्रिक एसिड के उत्पादन में प्रमुख कच्चा माल बनता है। कॉर्न की खरीद के संबंध में प्राधिकारी ने मौके पर जांच के दौरान प्रस्तुत बीजकों और निर्यातक प्रश्नावली और एम ई टी उत्तर के जवाब में उल्लिखित दरों के अनुसार कॉर्न की कीमत में अंतर पाया गया है। चीनी कंपनी कीमतों में अंतर के लिए कोई औचित्य उपलब्ध नहीं करा सकी और कॉर्न की खरीद की प्रक्रिया उचित और पारदर्शी नहीं पाई जा सकी, इसलिए राज्य के किसी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप अथवा भागीदारी से मना नहीं किया जा सकता।

22. कंपनी कोयले से अपनी भाप उत्पन्न करती है। कुछ कोयला राज्य स्वामित्व वाले उद्यमों से और कुछ लिमिटेड कंपनियों से खरीदा गया था। कंपनी ने कोयले की खरीद, प्राप्ति और भुगतान दस्तावेजों के ब्यौरे यादृच्छिक रूप से चुने गए रिकॉर्डों से उपलब्ध कराए हैं जिनकी जांच उनके रिकॉर्ड से की गई थी। विद्युत की खरीद एक राज्य स्वामित्व वाली कंपनी से की जाती है। कंपनी ने विद्युत कंपनी का एक टैरिफ चार्ट उपलब्ध कराया है। औसत दर **** प्रति इकाई बैठती है, जो चीन के अन्य हिस्सों में विद्युत दरों की तुलना में सबसे कम प्रतीत होती है। कंपनी ने तर्क दिया है कि चीन का यह हिस्सा इतना विकसित नहीं था अतः इस क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए बिजली की कीमतें काफी प्रतिस्पर्धी हैं और बी ओ एफ टी द्वारा भी ऐसे ही विचार प्रस्तुत किए गए हैं। चीनी कंपनी जांच रिपोर्ट से सहमत है कि विद्युत दर गैंग्सू प्रांत में उद्योग को उपलब्ध दर से अन्य प्रांतों में अधिक है और उनके द्वारा दिया गया औचित्य संतोषजनक नहीं था।

23. ऐसी फर्मों के उत्पादन की लागत और वित्तीय स्थिति के संबंध में ये पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से आगे लाई गई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं, विशेषकर परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में चीनी उत्पादक ने अनुरोध किया कि एन एम ई की परिकल्पना के खंडन के उद्देश्य से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से कोई महत्वपूर्ण विकृतियाँ उत्पन्न नहीं हुई हैं। कंपनी ने दावा किया है कि भूमि प्रयोग अधिकारों का स्वामित्व सरकार से दीर्घावधि पट्टा आधार पर प्राप्त किया गया है। उनके रिकॉर्डों की जांच करने पर यह पाया गया है कि भूमि राज्य से प्राप्त की गई है किन्तु वे सरकार को पट्टाधारी भूमि के किराए के भुगतान के ब्यौरे उपलब्ध नहीं करा सके। जांच की अवधि के दौरान यह भी पाया गया कि नई कंपनी ने पूर्ववर्ती एस ओ ई के स्टाफ के सहयोग से तत्कालीन राज्य स्वामित्व वाली कंपनी को अधिकार में ले लिया था, वह भी उस कीमत पर जो ऐसे औद्योगिक ढांचे की बाजार कीमतों को प्रदर्शित नहीं करती। इसके मद्देनजर पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उत्पन्न हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के संबंध में अपवर्जन नहीं किया जा सकता। निर्यातक ने तर्क दिया है कि व्यापार कई वर्षों तक घाटे में रहा है अतः पूर्ववर्ती एस ओ ई कंपनी के स्टाफ से बनी कंपनी के अलावा कोई बोली लगाने वाला नहीं था। जहां तक ऋण पुनर्निर्धारण और बट्टे खातों का संबंध है, उन्होंने अनुरोध किया है कि बाजार अर्थव्यवस्थाओं में भी घाटे वाली कंपनियों का निजीकरण एक आम विशेषता है। पैरा 8(3)(ख) के अनुसार परिवर्तन की प्रक्रिया और निजीकरण के प्रयोजनार्थ निकाय की परिसम्पत्तियों और देनदारियों को कैसे आंका गया है, की जांच करना अनिवार्य है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उस तरीके, जिसके द्वारा निजीकरण की प्रक्रिया हुई है और तत्कालीन राज्य स्वामित्व वाली कंपनी की स्थिर और वित्तीय परिसम्पत्तियाँ नई कंपनी को इस्तांतरित की गई हैं, से सम्बद्ध वस्तु की लागतें काफी प्रभावित हुई प्रतीत होती हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि

उत्पादन की लागत और घरेलू बाजार में कीमतें सही कीमतें प्रदर्शित नहीं करती हैं अतः इन्हें इस जांच के प्रयोजनार्थ स्वीकार नहीं किया जा सकता।

24. जहाँ तक दिवालिया कानून, जो कानूनी स्थायित्व और स्थिरता की गारंटी प्रदान करता है, की मौजूदगी के उनके दावे का संबंध है, कंपनी ने दावा किया है कि इस कंपनी ने लगातार कई वर्षों तक घाटा उठाने के कारण काफी वित्तीय कठिनाइयों का सामना किया है और इसे दिवालिया घोषित कर दिया गया। चूंकि यह एक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी थी, अतः कंपनी के हिस्से की देनदारियों को बट्टे खाते डाल दिया गया था और इसे **** शेयर धारकों वाली मै. गैंग्सू जिन्बाओ इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड के साथ **** शेयरधारकों वाली कंपनी के मौजूदा स्टाफ के सहयोग से बनी एक नई कंपनी के अधिकार में दे दिया गया था। कंपनी इन तथ्यों को प्रमाणित नहीं कर सकी कि दिवालिया कंपनी एक नए निकाय को एक उचित और पारदर्शी तरीके से अधिकार में दी गई है और वह सम्पूर्ण शृंखला में राज्य के गैर-हस्तक्षेप को प्रदर्शित नहीं कर सकी। कंपनी ने 01.12.2003 तक गैंग्सू की परिसम्पत्ति मूल्यांकन की रिपोर्ट उपलब्ध कराई और दावा किया कि राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम की परिसम्पत्तियाँ आई सी बी सी बैंक द्वारा अधिकार में ले ली गई थीं और बैंक ने परिसम्पत्तियाँ अधिकार में ले लीं तथा परिसम्पत्तियों के निपटान के लिए एक सार्वजनिक सूचना जारी की। नए निकाय की शुरुआत के संबंध में विसंगति सितम्बर, 2003 के माह में देखी गई थी जबकि राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी की परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन दिसम्बर, 2003 में किया गया था। अपने दावे के समर्थन में उन्होंने बैंक द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना की एक प्रति उपलब्ध कराई है। न्यायालय के निर्णय के अनुसार गैंग्सू लिज स्टार्च प्लांट की परिसम्पत्तियों और देनदारियों के बीच कमी है और इस कमी को सरकार द्वारा पूरा किए जाने पर सहमति हुई थी। न्यायालय ने अंत में दिनांक 18.9.2003 के अपने आदेश द्वारा यह उल्लेख करते हुए एक निर्णय दिया कि देनदारियों को अब नए निकाय द्वारा पूरा किए जाने की आवश्यकता है और परिसमापन समूह अन्य औपचारिकताएं पूरी करेगा। प्राधिकारी ने पाया कि वह कीमत, जिस पर राज्य के स्वामित्व वाले निकाय की परिसम्पत्तियाँ निजी स्वामित्व को हस्तांतरित की गई थीं और वह तरीका, जिसके द्वारा देनदारियाँ समायोजित अथवा बट्टे खाते डाली गईं, से इस संयंत्र से विनिर्मित उत्पादों के उत्पादन की लागत विकृत होती है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह तरीका, जिसके द्वारा निजीकरण हुआ है और पूर्ववर्ती राज्यस्वामित्व वाले उद्यम की परिसम्पत्तियाँ नई कंपनी को हस्तांतरित की गई हैं, सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत को काफी प्रभावित करता प्रतीत होता है।

25. सरकार से वापसी प्राप्य के संबंध में निर्यातक कंपनी ने 13% की दर का दावा किया है और निर्यात कीमत में समायोजन की मांग की है। तथापि, भारत को निर्यातों के मामले में कारखाने से बिक्री का परिकलन स्थानीय रूप से खरीदी गई सामग्री के रूप में अन्हुई को की गई घरेलू बाजार बिक्री के रूप में किया गया है और बीजक 17% की दर पर वैट को शामिल करके तैयार किए गए थे और उनकी निर्यात कीमत में शुल्क वापसी के कारण समायोजनों का दावा किया गया था। प्राधिकारी ने कारखाना-गत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए शुल्क वापसी के कारण किए गए समायोजन के दावे की जांच की और उस पर विचार किया।

26. विनिमय दर का परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है। बैंक वसूली प्रमाणपत्रों की जांच निर्यात कार्रवाइयों की प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में की गई थी। इन वसूली प्रमाण-पत्रों पर बीजक संख्या, अमरीकी डालर राशि, बैंक प्रभागों के रूप में बैंक द्वारा घटाई गई राशि और अन्हुई को उधार दी गई निवल राशि दर्शाई जाती है। वह विनिमय दर, जिस पर अम. डॉलर को आर एम बी में परिवर्तित किया गया था, को भी

बैंक प्रमाण-पत्र में दर्शाया गया था । इन सभी ब्यौरों की जांच दल द्वारा की गई थी और इन्हें उचित किया था ।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी कंपनी यह प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा सकी कि उनका व्यवसाय राज्य हस्तक्षेप के अध्वधीन नहीं है । आगे यह पाया गया कि सौदे महत्वपूर्ण विकृतियों के बिना नहीं किए गए हैं, जो कि पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाले निकाय के साथ सौदों से देखा जा सकता है, प्राधिकारी ने पाया है कि वह मूल्य जिस पर राज्य स्वामित्व वाले निकाय की परिसम्पत्तियाँ निजी स्वामित्व को हस्तांतरित की गई थी और वह तरीका, जिसके द्वारा देनदारियाँ समायोजित अथवा राज्य द्वारा बट्टे खाते डाली गई हैं, से इस संयंत्र से विनिर्मित उत्पादों के उत्पादन की लागत विकृत होती है । इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह तरीका, जिसके द्वारा पूर्ववर्ती राज्य स्वामित्व वाले उद्यम की परिसम्पत्तियाँ नए निकाय को हस्तांतरित की गई हैं, सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत को पर्याप्त रूप से प्रभावित करता प्रतीत होता है । अतः प्राधिकारी का विचार है कि उत्पादन की लागत और घरेलू बाजार में इसकी कीमतें उत्पाद की सही कीमत प्रदर्शित नहीं करती हैं और इन्हें इस जांच के प्रयोजन के लिए स्वीकार नहीं किया जा सकता । उपरोक्त के मद्देनजर प्राधिकारी उत्तर देने वाले सहयोगी चीनी उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं कर सकते हैं ।

28. यह नोट किया जाता है कि चीन के सहयोगी निर्यातक ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्यातकर्ता देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बिक्री सौदों के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं । तथापि संबंधित कंपनी के हस्तांतरण के प्रभाव के कारण लागत और कीमतों में काफी विकृति के मद्देनजर, प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू बाजार में उत्पाद की लागत और कीमतें बाजार संकेतकों के अनुसार लागतों और कीमतों को प्रदर्शित नहीं करतीं अतः उन्होंने चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमों के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार करने का प्रस्ताव किया ।

अनुबंध I के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि ' गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से होने वाले आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा किसी ऐसे देश से भारत समेत अन्य देशों को किए गए निर्यात की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो वहाँ उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, यदि आवश्यक हो, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गयी अथवा भुगतान योग्य कीमत समेत किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा । एक उचित तरीके से एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश चुना जाएगा (संबंधित देश के विकास के स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए) और चुनाव के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना को ध्यान में रखा जाएगा । किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में ऐसे ही मामलों में यदि कोई जांच की जाती है, तो जहाँ उपयुक्त हो, समय- सीमा के भीतर इस पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच में शामिल पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के उपर्युक्त चुनाव के बारे में अनुचित विलम्ब के बिना सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी ।

हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत समेत अन्य देशों को तीसरे देश से कीमतों के आधार पर किया जाना अपेक्षित होगा। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का ऊपर उल्लिखित नियम के संदर्भ में परीक्षण किया है और यह नोट किया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किसी उचित तीसरे देश को चुनने के लिए किसी तुलनीय देश में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत और कीमतों के संबंध में विश्वसनीय सूचना उपलब्ध नहीं थी। अतः बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतों या परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण संभव नहीं था। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उचित तीसरे देश को चुनने के लिए प्राधिकारी के समक्ष कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की थी, दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में स्पष्ट रूप से इंगित किया था कि सामान्य मूल्य का परिकलन तर्कसंगत लाभ मार्जिन के लिए विधिवत रूप से समायोजित भारत में चुकाई गई या देय कीमत के आधार पर किया जा सकता है। जहाँ तक सामान्य मूल्य के निर्धारण के दूसरे विकल्प अर्थात् भारत समेत अन्य देश को तीसरे देश से कीमतों के आधार पर, का संबंध है; इसकी जांच डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर की गयी थी। यह देखा गया था कि डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों के अनुसार भारत को अन्य देशों से आयात की कीमतें सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपयुक्त नहीं थी क्योंकि अन्य देशों से भारत में किए गए आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम थी। यह नोट किया जाता है कि मलेशिया और उन देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं से आयातों को छोड़कर संबद्ध देशों से इतर देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह कहा है कि मलेशिया में संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादक नहीं है और आयातों का उद्गम चीन हो सकता है। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन समान उत्पाद के लिए भारत में दी गई और देय विधिवत रूप से समायोजित वास्तविक कीमत के अनुसार किया था। चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु सीट्रिक अम्ल के विनिर्माण के लिए कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, उद्योग के खपत मानकों और तर्क संगत लाभ पर विचार किया गया है। इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य **** अम. डा./किग्रा. है।

निर्यात कीमत

30 अन्डुई ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए सीट्रिक अम्ल के निर्यातों के बीजक वार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने जांच अवधि के दौरान 330 मी.टन सीट्रिक अम्ल का निर्यात किया था और निर्यात कीमत के निर्धारणार्थ इस पर विचार किया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए कंपनी ने अंतर्देशीय भाड़े, विदेशी भाड़े, विदेशी बीमा और वैट के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित सीट्रिक एसिड की कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना के लिए सत्यापित आंकड़ों के आधार पर समायोजनों के दावे पर विचार किया है। प्राधिकारी ने कारखाना द्वार निर्यात कीमत को **** अम.डा./किग्रा. के रूप में निर्धारित किया है।

चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक सामान्य मूल्य

31. यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन.गण. के प्रतिवादी निर्यातकों को छोड़कर किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से सभी अन्य

निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य की गणना की है । सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ सीट्रिक एसिड के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्रियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, उद्योग के खपत मानकों और तर्कसंगत लाभ पर विचार किया गया है । इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य **** अम.डा./किग्रा. है ।

निर्यात कीमत

32. निर्यात कीमत का निर्धारण डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है । कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत की गणना के लिए घरेलू उद्योग द्वारा यथा प्रदत्त समायोजनों पर विचार किया गया है । चीन जन.गण. के सभी अन्य निर्यातकों/उत्पादकों के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण **** अम.डा./किग्रा. के रूप में किया गया है ।

ड.5 यूक्रेन

33. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैरा 8(2) के अनुसार इस पूर्वधारणा के साथ आगे की कार्रवाई की है कि कोई देश जिसे जांच के पहले तीन वर्ष के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी या किसी डब्ल्यू टी ओ के सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था निर्धारित किया गया अथवा माना गया हो तो वह एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है । पिछले तीन वर्षों में यूक्रेन को ई यू और अमरीका जैसे डब्ल्यू टी ओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । इस मामले में यूक्रेन की जांच गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में की जानी है ।

34. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी । यूक्रेन की सरकार ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी अपने अनुरोध प्रस्तुत किए हैं लेकिन उन्होंने एम ई टी प्रश्नावली में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध । के पैरा 8(4) के अनुसार अनुरोध प्रस्तुत नहीं किए थे ।

35. भारत स्थित यूक्रेन के दूतावास के व्यापार एवं आर्थिक मिशन ने यूक्रेन स्थित सीट्रिक एसिड के खार्कोव संयंत्र के संबंध में निर्यातक के उत्तर प्रस्तुत किए थे । उन्होंने बताया है कि सीट्रिक एसिड के खार्कोव संयंत्र की स्थापना 21/1/96 के खार्कोव क्षेत्र में यूक्रेन के राज्य स्वामित्व के क्षेत्रीय अधिकारी के निर्णय के अनुसार राष्ट्रीय उद्यम "दि खार्कोव प्लांट ऑफ सीट्रिक एसिड" को रूपांतरण के माध्यम से सार्वजनिक निगम के रूप में परिवर्तित किया गया था । यह संयंत्र स्वतंत्र रूप से संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और बिक्री करता है ।

36. कंपनी ने परिशिष्ट 1 और परिशिष्ट 2 में घरेलू बिक्रियों और निर्यात बिक्रियों के बारे में पूरी सूचना प्रस्तुत नहीं की थी उन्होंने परिशिष्ट 5 और परिशिष्ट 6 में सूचना प्रस्तुत नहीं की थी । जहाँ तक परिशिष्ट 4 और परिशिष्ट 7 का संबंध है, इनमें अपूर्ण सूचना दी गई है । घरेलू बिक्रियों, निर्यात बिक्रियों

और तीसरे देश को निर्यातों के बारे में उत्पादन लागत उपलब्ध नहीं कराई गई है। कंपनी के लागत निर्धारण और वित्तीय सूचना का विश्लेषण करने के लिए जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्षों के लिए लाभ और हानि लेख और तुलन पत्र प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित ढंग एवं तरीके से निर्यातक प्रश्नावली में पूर्ण उत्तर प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 4/11/04 का अपूर्णता संबंधी पत्र भेजा गया था। आगे अनुस्मारक भी भेजे गए जिनमें यह उल्लेख था कि पूर्ण सूचना के अभाव में उन्हें असहयोगी माना जाएगा और यदि वे उत्तर नहीं देते हैं तो सामान्य मूल्य का परिकलन गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित पाटनरोधी नियमावली के पैरा 7 के अनुसार किया जाएगा, जिनका उन्होंने उत्तर नहीं दिया था।

37. यूक्रेन के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 में दिए गए गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाना है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यह व्यवस्था है कि:-

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत तथा परिकलित मूल्य के आधार पर या ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत के आधार पर किया जाएगा, या जहाँ यह संभव नहीं हो, वहाँ सामान्य मूल्य का निर्धारण ऐसे अन्य उचित आधार पर किया जाएगा जिसमें उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए जैसा आवश्यक हो, विधिवत् ढंग से समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तविक रूप से संदत्त या संदेय कीमत शामिल होती है।"

38. इसके अलावा पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह व्यवस्था है कि:-

"8(1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश" शब्द का अभिप्राय किसी ऐसे देश से है जिसे विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार लागत अथवा कीमत निर्धारण ढांचे के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन न करने वाला निर्धारित किया गया अथवा माना गया है ताकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्री से पण्य का उचित मूल्य मालूम न हो।

(2) यह अवधारणा होगी कि कोई देश जिसे विनिर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश के किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि से पहले के तीन वर्ष के दौरान किसी पाटनरोधी जांच की प्रक्रिया के लिए एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया हो अथवा माना गया हो, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

बशर्ते तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना अथवा साक्ष्य प्रस्तुत करके ऐसी अवधारणा का खंडन कर सकते हैं जो यह सिद्ध करे कि ऐसा देश उप पैराग्राफ 3 में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।"

39. यह नोट किया जाता है कि प्रतिवादी कंपनी में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) में यथा उल्लिखित पूर्ण सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए थे जिससे निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या:

- (क) ऐसे देश में कीमतों, लागतों, कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी, श्रम लागत समेत निविष्टियों, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के अनुसार और इस संबंध में राज्य के किसी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बिना लिए जाते हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें काफी हद तक बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं;
- (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की पूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में विकृतियों के अधीन हैं;
- (ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों की वैधानिक निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

40. यूक्रेन की सरकार ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे संबंधी दावा प्रस्तुत किया था लेकिन यह पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(4) के अंतर्गत दी गई पद्धति के अनुसार नहीं था । इस प्रावधान को ध्यान में रखते हुए कोई देश बाजार अर्थव्यवस्था के लिए दावा कर सकता है बशर्ते कि दावा करने वाला देश प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो;

- (i) संबंधित देश को डब्ल्यू टी ओ सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माने जाने का निर्धारण किया गया हो;
- (ii) ऐसा कोई व्यवहार या निर्धारण संगत मापदंडों, जिनमें अनुबंध 1 के पैरा 8(3) में निर्दिष्ट चार मापदंड शामिल हैं, के ब्यौरेवार मूल्यांकन पर आधारित होगा;
- (iii) यह मूल्यांकन सार्वजनिक दस्तावेज में किया गया हो ।

41. यह नोट किया जाता है कि यूक्रेन की सरकार ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्व मान्यता का खण्डन करने के लिए पूर्ण सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं जैसा कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(4) में अपेक्षित है । निर्यातक को दिनांक 3.2.2005 के पत्र द्वारा यह बताया गया था कि उनके अनुरोध में काफी कमियाँ हैं और निर्यातक प्रश्नावली के अधिकांश परिशिष्ट अपूर्ण हैं । प्राधिकारी

ने यह भी सूचना दी थी कि यदि अपेक्षित दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किए जाते हैं तो फर्म को असहयोगी माना जाएगा और सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाएगा। यूक्रेन की सरकार से भी उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दावे के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(4) में यथा संशोधित पूर्ण सूचना प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। यह भी कहा गया था कि पूर्ण सूचना के अभाव में यूक्रेन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यथा प्रदत्त गैर बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाएगा। इसके अलावा, प्राधिकारी ने यूक्रेनी सरकार और प्रतिवादी निर्यातक दोनों को अपने दिनांक 28.2.2005 के पत्रों द्वारा स्मरण कराया था लेकिन निर्यातक अथवा सरकार से कोई सूचना नहीं मिली थी इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य के परिकलन को उचित माना था। पूर्ण सूचना के अभाव में प्राधिकारी यूक्रेन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा और प्रतिवादी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार प्रदान नहीं कर सकते थे। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत समेत अन्य देशों को तीसरे देश से कीमतों के आधार पर किया जाना अपेक्षित होगा। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का ऊपर उल्लिखित नियम के संदर्भ में परीक्षण किया है और यह नोट किया है कि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किसी उचित तीसरे देश को चुनने के लिए किसी तुलनीय देश में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत और कीमतों के संबंध में विश्वसनीय सूचना उपलब्ध नहीं थी। अतः बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतों या परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण संभव नहीं था। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सही तीसरे देश को चुनने के लिए प्राधिकारी के समक्ष कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की थी, दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में स्पष्ट रूप से इंगित किया था कि सामान्य मूल्य का परिकलन तर्कसंगत लाभ मार्जिन के लिए विधिवत रूप से समायोजित भारत में चुकाई गई या देय कीमत के आधार पर किया जा सकता है। जहाँ तक सामान्य मूल्य के निर्धारण के दूसरे विकल्प अर्थात् भारत समेत अन्य देश को तीसरे देश से कीमतों के आधार पर, का संबंध है; इसकी जांच डी जी सी आई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर की गयी थी। यह देखा गया था कि डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों के अनुसार भारत को अन्य देशों से आयात की कीमतें सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपयुक्त नहीं थी क्योंकि अन्य देशों से भारत में किए गए आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम थी। यह नोट किया जाता है कि मलेशिया और उन देशों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू हैं से आयातों को छोड़कर संबद्ध देशों से इतर देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हैं। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने यह कहा है कि मलेशिया में संबद्ध वस्तु का कोई उत्पादक नहीं है और आयातों का उद्गम चीन हो सकता है। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन समान उत्पाद के लिए भारत में दी गई और देय विधिवत रूप से समायोजित वास्तविक कीमत के अनुसार किया था। असहयोग के मद्देनजर, यूक्रेन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में दिए गए गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर, यूक्रेन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर कच्ची सामग्री, उद्योग के खपत मानकों और तर्कसंगत लाभ के आधार पर किया गया है। अतः यूक्रेन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य ***** अम.डा./किग्रा. परिकलित किया जाता है।

निर्यात कीमत

42. निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। डीजीसीआई एंड एस के आयात आंकड़ों के अनुसार यूक्रेन ने जांच अवधि के दौरान 943 मी. टन सिट्रिक एसिड का निर्यात किया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए, घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए समायोजनों पर विचार किया गया है। यूक्रेन के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु *** अमरीकी डॉलर/किग्रा 0 पर कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है।

ड.6 कोरिया गणराज्य **सामान्य मूल्य:**

43. कोरिया गणराज्य ने निवेदन किया है कि जांच अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य के भारत सहित सभी देशों को सिट्रिक एसिड के कुल निर्यात केवल 108 मी. टन के रहे हैं तथा आधिकारिक कोरियाई निर्यात आंकड़ों के अनुसार कोरिया से भारत को हुए सिट्रिक एसिड का कुल निर्यात केवल 20 टन रहा है। इस संबंध में नई दिल्ली स्थित कोरियाई दूतावास ने जनवरी, 2003 से 13 अक्टूबर, 2004 की अवधि में कोरिया गणराज्य से सभी देशों को हुए सिट्रिक एसिड के प्रत्यक्ष निर्यातों के आधिकारिक आंकड़े दायर किए हैं। उनका कहना है कि मैं, शिन्वॉन इंडस्ट्री कम्पनी, कोरिया ने जांच अवधि के दौरान 20 मी. टन सिट्रिक एसिड के केवल एक परेषण का निर्यात किया है। मै0 शिन्वॉन इंडस्ट्रियल कम्पनी, दक्षिण कोरिया ने दिनांक 11/11/2004 के अपने ई-मेल में यह भी कहा है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान केवल 20 मी. टन सिट्रिक एसिड का निर्यात किया है, जो एक अत्यंत अल्प मात्रा है तथा निर्यातक प्रश्नावली में उत्तर दायर नहीं किया है। कोरियाई सरकार ने दिनांक 24/6/2005 के अपने पत्र में पुनः निवेदन किया है कि कोरियाई सीमाशुल्क सेवा के आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के दौरान शिन्वॉन इंडस्ट्रियल कम्पनी द्वारा मात्र 20 टन सिट्रिक एसिड का निर्यात किया गया था और भारतीय प्राधिकारी से कोरिया गणराज्य को इस जांच से अलग करने का अनुरोध किया है।

44. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आयात आंकड़ों में विसंगतियों के संबंध में कोरियाई सरकार द्वारा किए गए निवेदनों तथा कोरियाई सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए निर्यात आंकड़ों पर उचित प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा है कि इससे ऐसी आशंकाओं को बल मिलता है कि ऐसी संबद्ध वस्तुएं, जिनके कोरियाई मूल का होने का दावा किया जाता है, वे चीन के मूल की भी हो सकती हैं। चूंकि देश की मूलता की जांच में समय लग सकता है इसलिए घरेलू उद्योग ने कहा है कि कोरियाई दूतावास के निवेदन को स्वीकार कर लिया जाना चाहिए तथा चीन जन.गण. तथा यूक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की पाटनरोधी जांच की जानी चाहिए। हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि चूंकि भारतीय आयातकों ने कोरिया से अपने निर्यातों के संबंध में सीमाशुल्क प्राधिकारी के समक्ष मूलता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया है इसलिए कोरिया के आयात आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं। जहां तक कोरिया से आयात मात्रा का संबंध है, कोरिया से सिट्रिक एसिड की वास्तविक आयात मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सका। सीमाशुल्क प्राधिकारी से प्राप्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी वास्तविक आयात आंकड़ों का निर्धारण करने की स्थिति में नहीं हैं चूंकि ये निर्यात अन्य देशों के व्यापारियों द्वारा किए गए हैं।

45. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी ने कोरियाई निर्यातों को न्यूनतम से कम माना है क्योंकि वे जांच अवधि के दौरान सिट्रिक एसिड के कुल आयातों के 3% से कम रहे हैं। अतः इस जांच में कोरिया गणराज्य को संबद्ध देशों से अलग रखा गया है तथा क्षति जांच के प्रयोजनार्थ उनकी आयात मात्रा को पाटित आयातों से अलग किया गया है

। उपर्युक्त के मद्देनजर, इस जांच में कोरिया गणराज्य को संबद्ध देशों में शामिल नहीं किया गया है। इसके बाद इस जांच में केवल चीन जन. गण. तथा यूक्रेन को संबद्ध देश माना जाएगा।

ड.7 पाटन मार्जिन

46. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है :-

संबद्ध देश/निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन (%)
मै0 गान्सू जुजिंग बायोकेमिकल लि0, चीन जन. गण.	****	****	7.21%
चीन जन. गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक	****	****	39.62%
यूक्रेन	****	****	42.24%

च. क्षति निर्धारण की पद्धति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

च.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

47. हितबद्ध पक्षकारों के विचार, संक्षिप्त में निम्नानुसार हैं:

- वर्ष 2003 एवं 2004 की अवधि के दौरान खपत के मानकों में अत्यधिक भिन्नता से संबद्ध वस्तुओं की उच्च उत्पादन लागत के कारण का स्पष्ट संकेत मिलता है।
- चूंकि चीनी प्रमुख कच्ची सामग्री है और उसने इष्टतम क्षमता उपयोग प्राप्त नहीं किया है इसलिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत काफी अधिक है, अतः उनकी उत्पादन लागत को परिकलित सामान्य मूल्य नहीं माना जाना चाहिए।
- घरेलू उद्योग ने स्वयं माना है कि वर्ष 2001-2002 तथा 2003-2004 के दौरान उद्योग में परिवर्तन आए हैं और इस परिवर्तन के परिणामस्वरूप आयातों में उछाल आया है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक ने अपनी अव्यवहार्य उत्पादन इकाई को बंद कर दिया है।
- घरेलू उद्योग ने स्वयं माना है कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि ट्रायल उत्पादन वर्ष 2000-2001 के दौरान शुरू किया गया था, जांच अवधि के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में सुधार आया है।
- संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक द्वारा उत्पादन बन्द कर दिए जाने और बाजार में चल रही मांग के कारण, आयातों द्वारा मांग की पूर्ति करना अनिवार्य हो गया था।
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है।
- वर्ष 2003-2004 के दौरान कीमत में 26% की गिरावट आई है जबकि समान अवधि के दौरान सीमाशुल्क घटकर 42.85% हो गया है। इससे उपभोक्ता हेतु उत्पाद की कीमत में कमी के कारण का पता चलता है।
- जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में तथा वस्तु सूची की स्थिति में भी सुधार हुआ है।

- (ix) चूंकि क्षति के लगभग सभी मानकों से सकारात्मक रुझान का संकेत मिल रहा है इसलिए पाटित आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति प्रदर्शित नहीं होती है। घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है तथा चीन के आयातों और घरेलू उद्योग को इन आयातों से क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

च.2 घरेलू उद्योग के विचार

48. घरेलू उद्योग के विचार संक्षिप्त में निम्नानुसार हैं:

- (i) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में पाटित कीमतों से अधिक गिरावट हुई है जिससे यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग को कीमत क्षति के कारण घाटा हुआ है। आयात कीमतों में लगातार गिरावट के कारण, घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को पाटित आयातों की कीमतों के बराबर करने के लिए अपनी कीमतें घटाने पर बाध्य होना पड़ा था।
- (ii) मांग के 30% तक बढ़ जाने पर बाजार हिस्से में 2.04% की वृद्धि नगण्य है अतः यह कहना सही नहीं होगा कि घरेलू उद्योग को बाजार हिस्सा गंवाने के कारण घाटा नहीं हुआ है।
- (iii) घरेलू उद्योग ने केवल चार महीनों तक कार्य किया है तथा वर्ष 2001-2002 के दौरान 7566 मी. टन की बिक्री दर्ज की गई है जबकि जांच अवधि के दौरान उसकी बिक्री 10203 मी. टन दर्ज की गई थी। तुलना वार्षिक आधार पर की गई है।
- (iv) आधार वर्ष 2001-2002 से उत्पादन लागत की तुलना उचित नहीं है क्योंकि उस समय परीक्षण उत्पादन किया जा रहा था और सभी लागत पूंजीकृत थे, जबकि वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2003-04 से ही शुरू किया गया है।
- (v) यदि तुलना के प्रयोजनार्थ आधार वर्ष के आंकड़े को वार्षिकीकृत किया जाता है तो क्षमता उपयोग में केवल 3% वृद्धि हुई है जबकि मांग में 30% वृद्धि हुई है। उन्होंने यह निवेदन भी किया है कि जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग को इष्टतम नहीं कहा जा सकता तथा कुल मांग के 30% तक बढ़ जाने के कारण संबद्ध वस्तु की बिक्री करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता के कारण संयंत्र अब तक अप्रयुक्त है।
- (vi) उन्होंने निवेदन किया है कि पाटित आयातों के अतिरिक्त घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों को प्रभावित करने वाला कोई अन्य कारक नहीं है। जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 18% की गिरावट आई है जबकि उसी अवधि के दौरान पाटित आयातों में 17% की गिरावट आई है।
- (vii) घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि संपूर्ण क्षति अवधि में उन्होंने घाटा उठाया है, इसका अर्थ यह है कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाई गई पूंजी पर उन्हें कोई आय प्राप्त नहीं हुई है। परीक्षण अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग के घाटों में सुधार हुआ है चूंकि उस समय वह पूंजीकृत थे। वर्ष 2001-2002 तथा वर्ष 2002-2003 की अवधि के दौरान कम्पनी परीक्षण उत्पाद कर रही थी, इन वर्षों के दौरान लागतों को पूंजीकृत कर दिया गया था तथा लाभ अथवा घाटे का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ उन्हें राजस्व लागत नहीं माना गया है।
- (viii) सामान्य प्रक्रिया के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी संपूर्ण क्षति अवधि अर्थात् जांच अवधि एवं पूर्ववर्ती वर्षों के लिए प्रकृति का विश्लेषण करते हैं तथापि, प्राधिकारी को केवल जांच अवधि का क्षति विश्लेषण, जिसके लिए विश्वसनीय एवं ग्रहणयोग्य आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं; करने से रोकने के लिए कोई विधिक निषेध मौजूद नहीं है।

- (ix) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट के कारण वस्तु सूची में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि क्षमता उपयोग, उत्पादन, बिक्री, उत्पादकता, बाजार हिस्से एवं लाभप्रदता में वृद्धि मामूली अथवा नकारात्मक है।
- (x) कुछेक क्षति मानकों के अनुसार घरेलू उद्योग में सुधार अवश्य प्रदर्शित होता है परंतु निम्न कीमत वाले पाटित आयातों के कारण वह निष्प्रभावी हो गया है, जिसका उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, उत्पादन लागत तथा लाभप्रदता पर ह्रासकारी प्रभाव पड़ा है।
- (xi) घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि क्षति अवधि के दौरान आयात मात्रा में 25% तक वृद्धि हुई है तथा उसी अवधि में, घरेलू कीमतों में 14-23% तक कीमत कटौती हुई है, जिससे पाटित आयातों के कारण क्षति का संकेत मिलता है।
- (xii) क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से में 2% की वृद्धि हुई तथा उसी अवधि में मांग में 30% की वृद्धि हुई, अतः बकाया 28% की पूर्ति पाटित आयातों द्वारा की गई। इससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का स्पष्ट संकेत मिलता है।
- (xiii) घरेलू उद्योग को हुए घाटे के संबंध में उन्होंने निवेदन किया है कि परीक्षण अवधि में घाटे और लाभ के अभाव में क्षति अवधि हेतु प्रवृत्ति विश्लेषण, प्राणितीय आंकड़ों के आधार पर किया गया है, जो उचित नहीं है, अतः लाभ एवं घाटे संबंधी एक तिमाही मूल्यांकन से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को प्रदर्शित किया जाएगा।

च.3 संबद्ध आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन

49. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 (iii) के अनुसार ऐसे मामलों में जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जानी हो, वहां प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी आकलन, तभी करेगा जब यह निर्धारित हो जाए कि (क) प्रत्येक देश से हुए आयात से संबंधित पाटन मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा उत्पाद के आयात का 3% है और (ख) जहाँ आयातित उत्पाद एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थिति के आलोक में आयातों के प्रभाव का एक साथ आकलन करना उपयुक्त हो। प्राधिकारी पाते हैं कि प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है। संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा सामूहिक रूप से 45% है और अलग-अलग, कुल आयातों के 3% से अधिक है।

50. सूचना की जांच करने पर प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देशों की संबद्ध वस्तुएं तुलनीय हैं। इन का आयात समान टैरिफ वर्गीकरण के तहत किया जाता है। आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पाद के लिए प्रयोक्ता उद्योग, एक ही है। प्रयोक्ता द्वारा समान उत्पाद को विभिन्न देशों से मंगवाया जाता है एवं उन्हें एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया जाता है। आयात के माध्यम भी एक समान पाए गए हैं। अतः प्राधिकारी ने आयातित संबद्ध वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों और आयातित उत्पाद एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की परिस्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित समझा है। इसलिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव एवं घरेलू उद्योग को उससे हो रही क्षति का संचयी आकलन करना उचित समझा है।

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

51. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से भारत में आयातों के स्तर को निर्धारित करने के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएंडएस के सौदे-वार आयात आँकड़ों पर विचार किया। यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से आयातों में सापेक्ष रूप से और कुल आयातों, कुल माँग तथा घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में वृद्धि हुई है।

कुल आयातों में से संबद्ध देशों के आयात			
	2001-02	2002-03	2003-04
चीन (मी. टन)	1101	947	2138
यूक्रेन (मी. टन)	000	433	943
संबद्ध देश (मी. टन)	1101	1380	3081
अन्य देश	4412	2019	3755
कुल आयात	5513	3399	6835

52. उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देशों से आयातों का स्तर वर्ष 2001-02 में 1101 मी. टन से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 3801 मी. टन हो गया है। इस अवधि के दौरान कुल वृद्धि वर्ष 2001-02 की अवधि के आयातों की लगभग तीन गुना है। इसके अतिरिक्त, पिछले वर्ष 2002-03 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान हुई वृद्धि, आधार वर्ष 2001-02 की तुलना में वर्ष 2002-03 में हुई वृद्धि से बहुत अधिक है।

कुल आयातों में संबद्ध देशों के आयातों का हिस्सा			
	2001-02	2002-03	2003-04
चीन	19.97%	27.86%	31.27%
यूक्रेन	0.00%	12.74%	13.80%
संबद्ध देश	19.97%	40.60%	45.07%
अन्य देश	80.03%	59.40%	54.93%
कुल आयात	100	100	100

53. यह नोट किया गया है कि कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 2001-02 में 19.97% से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 45.07% हो गया है। थाईलैंड, इंडोनेशिया के विरुद्ध और जाँच अवधि के कुछ हिस्से के लिए चीन जन. गण. के विरुद्ध भी पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण जाँच अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों में गिरावट आई है। आयातों में बाजार हिस्से के रूप में अन्य देशों से आयातों का हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 80.03% से घट कर जाँच अवधि के दौरान 54.93% हो गया है।

कुल माँग में संबद्ध देशों के आयातों का हिस्सा			
	2001-02	2002-03	2003-04
माँग (मी. टन)	13079	14079	17039
चीन	8.42%	6.73%	12.55%
यूक्रेन	0.00%	3.08%	5.53%

संबद्ध देश	8.42%	9.80%	18.08%
अन्य देश	33.73%	14.34%	22.03%

54. इसके अतिरिक्त, कुल माँग में संबद्ध देशों का हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 8.42% से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 18.08% हो गया है जबकि कुल माँग में अन्य देशों के आयातों का हिस्सा 2001-02 के दौरान 33.73% से घट कर जाँच अवधि के दौरान 22.03% हो गया है।

घरेलू उत्पादन में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा			
	2001-02	2002-03	2003-04
उत्पादन (सूचीबद्ध)	4099	7626	13247
चीन	26.86%	12.42%	16.14%
यूक्रेन	0.00%	5.68%	7.12%
संबद्ध देश	26.86%	18.10%	23.26%
अन्य देश	107.63%	25.48%	28.34%

55. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2001-02 के दौरान 26.86% के स्तर से घट कर जाँच अवधि के दौरान 23.26% हो गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान पाटित आयातों में सापेक्ष रूप से तथा कुल माँग में कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

कीमतें

आयात कीमतों में वृद्धि

56. वर्ष 2001-02 तथा जाँच अवधि के बीच पाटित आयातों की औसत सी आई एफ कीमतों में क्षति अवधि की तुलना में गिरावट दर्ज की गई। संबद्ध वस्तु की आयात कीमतें वर्ष 2001-02 के दौरान 37181 रु./मी.टन से घट कर जाँच अवधि के दौरान 30687 रु./मी. टन हो गई हैं।

सी आई एफ कीमतें	चीन जन. गण.	यूक्रेन	संबद्ध देश
2001-2002	37181	-	37181
2002-2003	34937	32188	34075
2003-2004	31230	30043	30867

घरेलू कीमतें

57. यह नोट किया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के दो उत्पादक अर्थात् मै. सोलारिस बायोकेमिकल्स लि. और मै. सितुर्जिया बायोकेमिकल्स लि. थे। आवेदक मै. सोलारिस ने दिसम्बर, 2001 में संबद्ध वस्तु का परीक्षण के तौर पर उत्पादन प्रारंभ किया और उन्होंने मार्च, 2003 तक अपना परीक्षण जारी रखा। दूसरे उत्पादक अर्थात् सितुर्जिया वर्ष 2001-02 और 2002-03 के

दौरान संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे थे। तथापि, जाँच अवधि के दौरान उन्होंने अपना प्रचालन बंद कर दिया है और संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया। जाँच अवधि के दौरान मै. सोलारिस बायोकेमिकल लि. संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक थे। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग के संघटन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान काफी परिवर्तन हुआ है। प्रकटन विवरण पर अपनी अभ्युक्तियों में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि आधार वर्ष 2001-02 से उत्पादन लागत की तुलना उचित नहीं है क्योंकि वह परीक्षण के तहत किया गया उत्पादन था और सभी लागतों को पूंजीकृत किया गया था जबकि वाणिज्यिक उत्पादन केवल 2003-04 में प्रारंभ हुआ था। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के तर्कों की जांच की और उनका यह विचार है कि परीक्षण उत्पादन 18 महीनों तक जारी रहा। इसके अतिरिक्त यह देखा गया है कि संयंत्र एक नया संयंत्र नहीं है बल्कि वर्तमान प्रबंधन ने उसे चालू हालत में अपने अधिकार में लिया है, अतः 18 महीने की परीक्षण उत्पादन की अवधि उचित प्रतीत नहीं होती है। अतः कीमत विश्लेषण के प्रयोजनार्थ क्षति विश्लेषण अवधि के लिए तुलना करने को उचित पाया गया क्योंकि बिक्री कीमतें बाजार स्थिति और घरेलू खपत को प्रदर्शित करती हैं। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें वर्ष 2001-02 के दौरान 100 से घट कर जाँच अवधि के दौरान 81.64 हो गईं जबकि उत्पादन लागत में उसी अवधि के दौरान और अधिक गिरावट आई जिससे जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घाटे की स्थिति में -100 से -5.83 तक सुधार हुआ है।

		2001-02	2002-03	2003-04
उत्पादन लागत	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		100.00	53.38	32.18
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		100.00	92.77	81.64
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		-100.00	-32.39	-5.83

कीमत कटौती

58. जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत की तुलना की गई थी। जाँच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए संबद्ध देशों से पाटित आयातों का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम था जिससे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में अत्यधिक कटौती हुई। जाँच अवधि के दौरान कीमत कटौती का मार्जिन 19% से 32% के बीच था।

कम कीमत पर बिक्री

59. कम कीमत पर बिक्री क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक है अतः प्राधिकारी ने एक गैर क्षतिकारक कीमत का परिकलन किया और कम कीमत पर बिक्री की सीमा का निर्धारण करने के लिए उसकी तुलना पहुँच मूल्य से की है। जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए उत्पादन लागत पर उचित रूप से विचार करके घरेलू उत्पादक के लिए गैर-क्षतिकारक कीमत

का आकलन किया गया है और अकुशलताओं को हटाने के लिए क्षमता उपयोग को भी मानकीकृत किया गया है। विश्लेषण यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का भारित औसत पहुँच मूल्य जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित गैर-क्षतिकारक मूल्य से बहुत कम है। जाँच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री का मार्जिन 22% से 38% के बीच था।

घरेलू उद्योग की स्थिति

60. प्राधिकारी ने भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग के संघटन में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच की है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का संघटन पूरी क्षति जाँच अवधि में एक समान नहीं रहा है और वर्ष 2001-02 से जाँच अवधि में घरेलू उद्योग में परिवर्तन हुआ है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु का वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 2003 से ही शुरू किया है इसलिए परीक्षण उत्पादन अवधि के लिए उपलब्ध कराई गई सूचना पर भी विचार करते हुए जाँच अवधि के लिए वर्ष-दर-वर्ष आधार पर प्रवृत्ति विश्लेषण करने को उचित पाया गया क्योंकि परीक्षण अवधि काफी लंबी थी। यह भी देखा गया है कि मै. सोलारिस द्वारा अधिकार में लिए जाने के बाद प्रचालक कंपनी कुछ समय के लिए बंद थी और उसने अपना उत्पादन दिसम्बर, 2001 से प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2001-02 में घरेलू उद्योग ने केवल चार महीने उत्पादन किया जबकि जाँच अवधि के दौरान दूसरे उत्पादक मै. सितुर्जिया ने अपना प्रचालन बंद कर दिया था।

घरेलू माँग

61. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू माँग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री मात्रा और संबद्ध वस्तु के कुल आयातों के आधार पर किया गया है। इस आधार पर घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू माँग आधार वर्ष 2001-02 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 30.07% की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष 2001-02 के दौरान 100 से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 130.07 हो गई है।

	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
घरेलू माँग (मी. टन)	13079	14079	17039
सूचीबद्ध	100	107	130

माँग में बाजार हिस्सा

62. माँग में संबद्ध देशों के पाटित आयातों का बाजार हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 8.42% से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 18.08% हो गया है। माँग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2001-02 में 57.85% से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 59.89% हो गया है। माँग में अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा वर्ष 2001-02 के दौरान 33.73% से घट कर जाँच अवधि के दौरान 22.03% हो गया है।

63. वर्ष 2001-02 में 100 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान 130.27 तक घरेलू बाजार में बढ़ती हुई माँग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2001-02 में 57.85% से जाँच अवधि के दौरान 59.89% तक मामूली सुधार हुआ है। जाँच अवधि के दौरान कुल माँग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में 9% की तीव्र वृद्धि हुई है जबकि उसी अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों के बाजार हिस्से में 11% की गिरावट आई है। यह नोट किया गया है कि बढ़ी हुई माँग में घरेलू उद्योग और संबद्ध देश से आयात दोनों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

	2001-02	2002-03	2003-04
संबद्ध देशों से आयात	1101	1380	3081
अन्य देशों से आयात	4412	2019	3755
कुल आयात	5513	3399	6835
विक्री- घरेलू उद्योग	***	***	***
विक्री- अन्य	***	***	***
विक्री कुल	***	***	***
सूचीबद्ध	100	141.15	134.86
कुल माँग	13079	14079	17039
सूचीबद्ध	100.00	107.64	130.27
घरेलू उद्योग का हिस्सा (%)	57.85	75.86	59.89
संबद्ध देशों का हिस्सा (%)	8.42	9.80	18.08
अन्य देश (%)	33.73	14.34	22.03

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

64. घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2001-02 के दौरान 100 से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 323 हो गया है। घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2001-02 के दौरान 10% से बढ़ कर जाँच अवधि के दौरान 52% हो गया है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने बढ़ी हुई बाजार माँग में जाँच अवधि के दौरान अपना उत्पादन और क्षमता उपयोग बढ़ाया है।

	2001-02	2002-03	2003-04
क्षमता	25000	25000	25000
उत्पादन (जी. टन)	***	***	***
सूचीबद्ध	100	186	323
क्षमता उपयोग	****	****	****
सूचीबद्ध	100	148.83	258.53

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

65. घरेलू बाजार में कीमतों को प्रभावित करने वाले पाटित आयातों से इतर कारकों का विश्लेषण करने के लिए घरेलू बाजार में लागत संरचना और प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन की जांच की गई थी। सिट्रिक एसिड का कोई व्यवहार्य प्रतिस्थापन नहीं है और घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है, इसलिए घरेलू प्रतिस्पर्धा से कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। हितबद्ध

पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा स्टार्च के बदले कच्ची सामग्री के रूप में चीनी का प्रयोग तथा उसकी उच्चतर कीमतें उद्योग की उच्च उत्पादन लागत और उसके घाटों का प्रमुख कारण हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग का क्षति का कारण उसकी प्रौद्योगिकी है क्योंकि सिट्रिक एसिड की विनिर्माण प्रक्रिया में बुनियादी कच्चे माल के रूप में स्टार्च के स्थान पर चीनी का प्रयोग किया जाता है और इस कारण आयातित सिट्रिक एसिड से प्रतिस्पर्धा करने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत अधिक हो जाती है। चीनी उत्पादकों की उत्पादन प्रक्रिया का सत्यापन किया गया और पाया गया कि उत्पादन की सुविधा चीनी के ज़रिए है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की और पाया कि सिट्रिक एसिड के विनिर्माण में चीनी का प्रयोग अधिक उत्पाद लागत का कारण हो सकता है।

लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय और नकद प्रवाह

66. आवेदक ने संबद्ध वस्तु का परीक्षण के तौर पर अपना उत्पादन केवल दिसम्बर, 2001 में प्रारंभ किया और उसे मार्च, 2003 तक जारी रखा तथा अप्रैल, 2003 से उन्होंने वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ किया। दूसरे उत्पादक अर्थात् मै. सितुर्जिया ने अपना प्रचालन बंद कर दिया था और जाँच अवधि के दौरान उन्होंने संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं किया। अतः जाँच अवधि के दौरान मै. सोलारिस बायोकेमिकल्स लि. संबद्ध वस्तु के एकमात्र उत्पादक थे। आर ओ सी ई की जांच से यह पाया गया कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लगाई गई पूंजी पर आय और नकद प्रवाह में सुधार हुआ है। लगाई गई पूंजी पर आय में वर्ष 2001-02 के दौरान -100 की तुलना में जांच अवधि के दौरान -29.61 तक सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत वर्ष 2001-02 के दौरान 100 से घट कर जाँच अवधि के दौरान 32.18 हो गई है जबकि उसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में उसी अनुपात में गिरावट नहीं आई और इस प्रकार जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के घाटों में सुधार हुआ है।

		2001-02	2002-03	2003-04
उत्पादन लागत	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		100.00	53.38	32.18
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		100.00	92.77	81.64
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	****	****	****
सूचकांक		-100.00	-32.39	-5.83
लगाई गई पूंजी पर आय	%	****	****	****
सूचकांक		-100.00	-160.77	-29.61
नकद लाभ	लाख रु.	****	****	****
सूचकांक		-100.00	-124.20	-3.95

रोजगार एवं मजदूरी

67. घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए कर्मचारियों की संख्या में क्षति अवधि के दौरान कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी मजदूरी और वेतन जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अनधिक रूप से समान रहे हैं। तथापि, यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। यह नोट किया जाता है कि उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग ने कर्मचारियों के समान स्तर के बाद भी अपनी उत्पादकता में सुधार किया है। इसलिए प्राधिकारी इस मानदंड के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में किसी जांच परिणाम पर नहीं पहुँच सके।

	2001-2002	2002-2003	2003-2004
मजदूरी (लाख)	****	****	****
कर्मचारियों की संख्या (संख्या)	182	182	182
प्रति कर्मचारी मजदूरी (रूपया)	****	****	****
प्रति कर्मचारी मजदूरी (सूचीबद्ध)	100	163.70	162.75

उत्पादकता

68. प्रति कर्मचारी उत्पादकता में वृद्धि हुई है जो कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होगा। यह वर्ष 2001-2002 के दौरान 100 से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 258.53 हो गई है। अतः उत्पादकता में कमी घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

	2001-02	2002-03	2003-04
कर्मचारियों की संख्या	****	****	****
सूचीबद्ध	100.0	100.0	100.0
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (एम टी पी ए)	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	148.83	258.53
प्रति व्यक्ति प्रति दिन उत्पादकता	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	148.83	258.53

माल सूचियां

69. यह नोट किया जाता है कि माल सूचियों में जांच अवधि के दौरान कमी आयी है। जांच अवधि के दौरान स्टॉक्स में आधार वर्ष की तुलना में कमी आयी है। वर्ष 2000-01 के दौरान मालसूचियों का बिक्री मात्रा में 18.13 प्रतिशत हिस्सा बनता था जबकि जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में इनका हिस्सा 2.58 प्रतिशत था। यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को इस मानदंड के कारण क्षति नहीं हुई है।

	2001-02	2002-03	2003-04
अंतिम स्टॉक (मी.टन)	****	****	****
सूचीबद्ध	100.00	144.17	77.45
बिक्री (मी.टन)	****	****	****
बिक्री के प्रतिशत के रूप में अंतिम स्टॉक	38%	18.13	6.24%

वृद्धि

70. जांच के दौरान प्राधिकारी द्वारा उत्पादन और बिक्री से संबंधित विभिन्न मानदंडों की जांच की गयी थी और उन्होंने यह पाया कि घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग, उत्पादन, बिक्री, उत्पादकता, बाजार हिस्से और लाभप्रदता जैसे अनेक मापदंडों में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित कर रहा है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

71. प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन की मात्रा अत्यधिक रही है जैसा कि पाटन संबंधी जांच में परिकलन किया गया है। निर्धारित किए गए ये मार्जिन स्पष्ट रूप से न्यूनतम से अधिक हैं जैसा कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुबंध II के पैराग्राफ iii (क) में परिभाषित किया गया है।

2003-04 (जांच अवधि)	चीन	यूक्रेन
पाटन मार्जिन	7.21 % से 39.62 %	42.24 %

गंवाई गई संविदाओं का प्रमाण

72. आवेदक ने दावा किया है कि उन्होंने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण संविदाएं गंवा दी हैं। इस तर्क की जांच की गयी थी और प्राधिकारी गंवाई गई संविदाओं के कारण हुई क्षति के संबंध में कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं पा सके। इसलिए प्राधिकारी इस मानदंड के कारण घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में किसी जांच परिणाम पर नहीं पहुँच सके।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

73. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को समूची क्षति अवधि के दौरान घाटा हो रहा है और लगाई गई पूंजी पर आय भी नकारात्मक है लेकिन इसमें जांच अवधि के दौरान सुधार प्रदर्शित हो रहा है। घरेलू उद्योग, उद्योग में निवेश करने की योजना नहीं बना सका क्योंकि घरेलू उद्योग समूची क्षति अवधि के दौरान घाटा वहन कर रहा है।

च.4 निष्कर्ष

74. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है और उन्होंने संबद्ध देशों से पाटित आयातों और उनके द्वारा वहन की गई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के लिए अपने दावे के समर्थन में तर्क पेश किए हैं। तथापि, उत्तर देने वाले निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण क्षति के संबंध में साक्ष्य के साथ तर्क प्रस्तुत करने में विफल रहा है। हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की गई थी और यह पाया गया था कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों, लाभप्रदता में सुधार प्रदर्शित किया है और बिक्रियों के संबंध में संबद्ध वस्तुओं की मालसूची में भी गिरावट आयी है। संबद्ध वस्तुओं की प्रति इकाई बिक्री के अनुसार उद्योग की लाभप्रदता

में सुधार प्रदर्शित हुआ है और लगाई गई पूंजी पर आय में भी सुधार हुआ है। कंपनी की उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान सुधार प्रदर्शित हुआ है। यद्यपि संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन और कीमत कटौती को बहुत अधिक पाया गया था तथापि घरेलू उद्योग के समग्र कार्य-निष्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है।

वास्तविक क्षति संबंधी नकारात्मक निर्धारण के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध से संबंधित अपने जांच परिणाम दर्ज करना आवश्यक नहीं पाया।

छ. निष्कर्ष:

75. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:

- क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात इनके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है;
- ग. तदनुसार प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं करते हैं।

क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th August, 2005

FINAL FINDINGS

Subject :—Anti-dumping investigation concerning imports of Citric Acid originating in or exported from China PR, Korea RP and Ukraine.

No. 14/12/2004/DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as AD Rules) thereof;

A. PROCEDURE:

1. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Solaris Biochemicals Ltd, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Citric Acid originating in or exported from China PR, Korea RP and Ukraine (hereinafter referred to as subject countries);
- (ii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of fully documented application made by the applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5;
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 27th August, 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Citric Acid of Schedule I of the Customs Tariff Act;

(iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry associations and to the complainant in terms of Rule 6(2) and gave them an opportunity to make their views known in writing;

(v) The Embassies of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters / producers from their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time;

(vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from Subject countries as per Rule 6(4),

1. Tianjin Hengyi International Trade Co., Ltd., China PR
2. Sihuan Science Trade Development Co., Ltd., China PR
3. Shinwon Industrial Co., Ltd., Korea RP
4. BKC Exports Inc., Ukraine

(vii) The Market Economy Treatment (hereinafter also referred to as MET) questionnaire was also sent to the known exporters from China PR and Bureau of Fair Trade for Imports and Exports, Govt. of China to elicit relevant information;

(viii) M/s. Gansu Xuejing Biochemical Ltd., China PR, (Producer) (hereinafter also referred to as Gansu,), M/s Anhui Garments Sheos and Caps Industrial Group Company, China PR (exporter) (hereinafter also referred to as Anhui,) and M/s Kharkhov Plant of Citric Acid, Kharkhov region, Ukraine (hereinafter also referred to as Kharkhov,) have responded to the exporters questionnaire. Some of the exporters as well as Importers had asked for extension of time to respond to the questionnaire and the Authority after considering the request from the exporters and importers extended the time period to reply to the questionnaire and file their submissions;

(ix) The questionnaire was sent to the following known users/importers of subject goods,

1. M/s. C.J. Shah & Co., Mumbai
2. M/s. Cipla Ltd., Pune
3. M/s. Tata Tea Ltd., Mumbai
4. M/s. Park Organics Ltd., Mumbai
5. M/s. Sparklings Trading Pvt. Ltd., Mumbai
6. M/s. Shubh Trading Co., Mumbai
7. M/s. Amijal Chemicals

(x) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

(xi) The Authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping and causing injury due to dumped imports. The Authority conducted on the spot investigation of the domestic

industry to the extent considered necessary. The Authority also conducted on-the-spot verification of the co-operative Chinese exporters;

(xii) The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the optimum cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry;

(xiii) Copies of initiation notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation;

(xiv) A request were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation;

(xv) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 22/07/2005 and extension for filing the comments on the disclosure statement was granted upto 14/08/2005 on examination of request of the interested party. Comments received by the interested parties have been duly considered relevant in these findings.

(xvi) **** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules. The information concerning prices and costing filed by the interested parties were claimed confidential by respective interested parties and these were treated as confidential by the Authority;

(xvii) The investigation of dumping and injury covered the period from 1st April 2003 to 31st March 2004 ((hereinafter also referred to as period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2001 - March 2002, April 2002 – March 2003 and April 2003 – March 2004;

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

2. The product under consideration is "Citric Acid". It is mainly used as preservative in food and beverage, soft drinks, confectionery, drugs etc. It is also used in textile dyeing and printing industry and for some other industrial uses such as boiler cleaning etc. It is freely importable under OGL. It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No 2918.14. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

C. LIKE ARTICLES:

3. The applicant has claimed that goods produced by them are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from subject countries. Rule 2(d) of the AD Rules specifies that like articles mean an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination. In order to establish that subject goods produced by the domestic industry is a like article to that exported product from subject countries, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority and it has been found from the responses of the interested parties that the subject imported goods and domestically produced goods have been used simultaneously by the same users. None of the interested parties has raised any arguments concerning the issue of like article. In view of the above, it is noted that subject goods produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries are like articles within the meaning of the Rules 2(d).

D DOMESTIC INDUSTRY:

4. Interested parties have argued that the composition of the domestic industry of citric acid has changed because the producers of citric acid have changed in the past few years. They have stated that the applicant company has taken over the liabilities of the earlier closed unit M/s Bharat Starch Industries Ltd. and because of this reason of high cost of production the domestic industry is facing injury. The arguments of the interested parties were examined and the Authority found that the other producer of subject goods M/s. Citurgia Biochemicals Ltd. has no production during the POI. The applicant company M/s Solaris Biochemicals Ltd has started its production in December, 2001 and its commercial production started only from April, 2003. As regards the high cost of production it is noted that non-injurious price is determined after taking into consideration all the relevant factors including cost of raw material used in the production of the subject goods, the consumption thereof, the cost of utilities, interest cost, cost of labour, depreciation cost and selling and distribution expenses and cost of investments. It is also noted that the non-injurious price has been determined at normated level of capacity utilization to eliminate the inefficiency of any nature. The Authority notes that the applicant is the sole producer of the subject goods during the POI, therefore has the standing to file the application in terms of Rules 5(3) of AD Rule 2(b).

D.1 SUBMISSION OF NON-CONFIDENTIAL INFORMATION

5. The domestic industry has submitted that the exporters have resorted to excessive use of confidentiality. The information provided by the exporter on non-

confidential basis do not permit any understanding of the substance of information provided on confidential basis. They have further stated that the exporters have filed entire submissions with complete disregard to the requirement of non-confidential version. The exporters have also argued that the domestic industry did not provide adequate summary of non-confidential version enabling the exporters to effectively and meaningfully defend their interest thereby violating Article 6.5.1 of the WTO Anti-dumping Agreement. Both the domestic industry and exporters have argued that the non-confidential version of their respective responses was inadequate and number of information / data were kept confidential. The arguments of the interested parties were examined and it is noted that the non-confidential responses provided by the interested parties were kept in the public file and were made available to all the interested parties. On examination of the claim of the interested parties regarding the information concerning prices and costing of the interested parties, the Authority considered these information as confidential because of its business sensitivity.

E. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN AND EXAMINATION OF MARKET ECONOMY

6. The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff Act, 1975 and the responses were received from the following exporters;

- i) M/s Gansu Xeujing Biochemical Ltd., China PR,(producer) (hereinafter referred to as Gansu)
- ii) M/s Anhui Garments Sheos and Caps Industrial Group Company, China PR,(exporter) (hereinafter referred to as Anhui), and
- iii) M/s Kharkhov Plant of Citric Acid, Kharkhov region, Ukraine, (hereinafter referred to as Kharkhov)

E.1 VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES

7. The views of the interested parties are summarized below,

- i) The domestic industry produces Citric Acid through the sugar route which cannot be viable since the Chinese companies use corn starch syrup and their economies of scale is also very competitive. Because of this reason their cost of production is very low and they are able to export throughout the world at the most competitive prices including India.
- ii) The average export price of Citric Acid from India is lower than the Chinese export prices to India. It has been observed from the balance sheet of M/s. Solaris Biochemicals Ltd., that they have effected substantial quantity of exports and this is the main cause of their losses. If these exports were have not

been effected otherwise there would have been no loss or insignificant losses during the start up operation period.

iii) In the comments to the disclosure statement they have stated that there no interference of State in this two companies and this two companies are independently taking decisions and earning profits like in case of any company operating in market economy.

iv) They have submitted that takeover of the management by the workers cooperatives has been permitted in India also and this does not mean that it is not carried out in a transparent manner. Even M/s. Solaris has also taken over the earlier company with huge write offs and majority share holders of one part has remained the same.

v) The sunset review was rejected by the Authority on merits, restoring the benefit through a fresh investigation will not be appropriate. In case of China the anti-dumping duty was there in place and the imports to that effect only 330 MT have been affected after the lifting of anti-dumping duty. It may also be noticed that the market share of imports have increased due to closure of production facility by another producer M/s. Citurgia.

E.2 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

8. The views of the domestic industry are summarized below;

i) The Chinese exporter M/s. Anhui has exported only two consignments of 110 & 120 MT of Citric Acid on 2.2.2004 and 6.3.2004 respectively. These consignments do not find reportings in the DGCIS import data for the period April 2003 to March 2004, therefore the Chinese company are not eligible for a separate determination of dumping margin.

ii) The domestic industry has once again reiterated that the Korean and Malaysian imports are more likely to be of Chinese origin and the importers have involved in circumvention of anti dumping duty by transshipment of subject goods at dumped prices since anti-dumping duty was in place on imports of Citric Acid from China. One of the domestic producer i.e., M/s. Citurgia has already closed down its operation which is indicative of injury due to the dumped imports.

E.3 CHINA PR

VIEWS OF M/S GANSU XEUJING BIOCHEMICAL LTD., CHINA PR, (PRODUCER)

9. Gansu (producer) started its production on 28/9/2003 after taking over the state owned existing entity. The company has become public limited company in September 2003. The company has claimed that it has been incorporated and

registered under the PRC company law and all the major decisions are taken as per Chinese law. They have stated that the directors and shareholders of the company do not hold shares in any other company related to production and sale of Citric Acid in China, PR and India. The producer has claimed that the company is operating on market based economy and the prices of Citric acid are market driven. They have claimed that there was no subsidized supply of raw materials and utilities and they were procured from the market at the prevailing market prices. It is submitted that the prices of Citric acid in the domestic market are lower than the export price to India and the company is earning profits.

10. The company claimed that it is governed by civil procedures court of People's Republic of China which deals with procedure for bankruptcy and debt repayment of enterprises with legal certainty. The Article 199 provides a guarantee for legal certainty and stability in the operation of the firm like granting recourse to the course of law, ensures a major protection to creditors, incase of any major losses suffered by the entity.

11. The company has claimed that the raw materials were purchased from the local market and the prices of the raw materials purchased reflect the price prevailing in the local markets and orders were normally awarded on the basis of lowest price quoted by the suppliers. They have also claimed that the raw materials are procured from different sources at market driven prices without any involvement of the State in the decision making process. The company itself makes its decisions regarding purchase of raw materials and procurement of utilities.

12. In support of their claim of MET they have stated that 39 countries have granted market economy status to China including Australia, New Zealand, Brazil, Argentina, Russia, South Africa etc. India has also granted MET to many Chinese companies in several anti dumping investigations, therefore, this company should also be given market economy treatment.

VIEWS OF M/S ANHUI GARMENTS SHEOS AND CAPS INDUSTRIAL GROUP COMPANY, CHINA PR.(EXPORTER)

13. Anhui (exporter) is a Limited company, which is established according to the laws of ChinaPR. The company was established in 1992 and is making profits in the past three financial years. All the Board members are elected members and some of them are working employees of the company. The Board members are the representatives of the shareholders of the company. Textile Association of Anhui Province is the shareholder of the company.

14. Anhui is an independent business entity & has no relationship with Gansu except for buying & exporting their goods. The goods are purchased locally & exported. The price is the sole consideration while buying the Citric acid from Gansu. There is no commission payable by Gansu because the goods are

purchased on outright sales by way of a local purchase transaction. Whatever is the difference in the purchase price & the export price is the profit earned by Anhui.

15. There are no incentives on exports being claimed by the manufacturer of goods i.e. M/s. Gansu Xuejing Biochemical Co. Ltd., however, the exporter is entitled to claim drawback @ 13% on exports & retained by them. They claim that citric acid is purchased on ex factory basis therefore, they pay the cost of goods including the VAT. In addition to this, the local freight to Tianjin port; ocean freight; insurance from suppliers factory to the buyers warehouse & the bank charges in relation to the export transaction are also paid. In addition, the exporter gets duty drawback on exports of Citric Acid @ 13% of the assessable value at the time of removal of goods from the factory. This is not passed on to the manufacturer since it has been purchased locally & paid the price including the VAT.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

16. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of assessing the Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years WTO members such as EU and USA have treated China PR as a non-market economy country in anti- dumping investigations. In the instance case, China PR has been proposed to be investigated as non-market economy Country.

17. The Authority sent market economy treatment (MET) questionnaire and exporters questionnaire to all the known exporters (whose details were made available by the applicant) for the purpose of determination of normal value. Incomplete responses have been received from Gansu (producer) and Anhui (exporter). The submissions were examined and a detailed deficiency letter was issued on 2.12.2004 and subsequently explained to the representative of the exporter. They filed the complete response in support of their claim of market economy treatment and requested for determination of normal value on the basis of domestic sales of Citric acid in their home market. In view of their claim of MET treatment, verification was carried out at the premises of the responding cooperative producer and exporter. The Chinese producer has claimed individual treatment on the grounds that they are operating under market economy condition irrespective of prevailing economy situation in the country without any direct or indirect State interference or influence in their business activity. Bureau of Fair Trade, Ministry of Commerce, China PR has also responded to the general questionnaire, which has been considered to the extent relevant in this investigation.

18. In anti-dumping investigations concerning imports originating in China PR, normal value shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in subparagraph (3)."

19. It is noted that the responding Chinese producer furnished information/evidence as mentioned in para 8(3) of Annexure 1 of AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether

a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

20. The Authority examined whether the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand without significant State interference and in this regard whether costs of major inputs substantially reflect market values. After verification of the data the Authority forwarded a detailed verification report highlighting the facts. In response to the verification report, they have argued that the scope of non-market economy examination is limited to dumping determination and the Authority is required to examine information/data for the period of investigation only not the data/information prior to POI for market economy treatment. The Authority notes that the determination of normal value is based on the data of the POI only, however, the examination of market economy takes into account the entire data of the company preceding to the POI also.

21. The Chinese company manufactures both Starch & Citric Acid from the basic raw material, i.e., Corn. In the product catalogue, liquid fertilizer is mentioned as one of the products of the company. On inquiry, the company clarified that this product is no longer manufactured by them. This product was manufactured by the earlier business entity M/s. Gansu Linze Starch Plant and its production has been stopped since 1997 for which reasonable explanation could not be provided to the verification team. The producer provided information only for the period of the new company came into existence. In response to the verification report, the company has submitted that "the company commenced production in Sept.03" and therefore, data has been provided only for the period from September,2003 to March,2004. The company further submitted that the response is submitted by Gansu and they are authorized to provide details only in respect of this legal entity. They are not authorized to give details in respect of earlier State owned company M/s Gansu Starch Plant Ltd. because the erstwhile plant went into liquidation. In absence of data/information of the company of the earlier periods of the earlier state owned company, the Authority could not examine the trends of profitability of the company and their independent functioning without any substantial interference of the state. Corn accounts for the biggest purchase in the books of account and is the major raw material in production of citric acid. In respect of procurement of Corn the Authority found a difference in the price of corn as per invoices presented during the on spot verification and the rates mentioned in response to the exporter questionnaire and MET response. The Chinese company could not provide any justification for the differences in prices and the process of procurement of corn could not be found to be fair and transparent.

22. The company generates own steam from coal. Coal was purchased partly from State owned enterprise and partly from limited companies. The company provided details of the purchase, receipt & payment documents of coal on randomly selected records which were verified from their records. Electricity is purchased from a State Owned Enterprise. The company provided a tariff chart of the electricity company. The average rate appeared to be on the lower side as compared to the electricity rates in other parts of china. The company argued that this part of China was not so developed, therefore, to encourage the establishment of industries in this area, power is priced very competitively and the similar view was advanced by BOFT also. The Chinese company has agreed with the verification report that the electricity rate is higher in other provinces than what is available to the industry in Gansu province and the justification advanced by them was not satisfactory.

23. Regarding the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts the Chinese producer submitted that there is no significant distortions carried over from the former non-market economy system in order to rebut the presumption of NME. The company claimed that the ownership of the land use rights have been obtained on long term lease basis from the Government. On verification of their records it is observed that land has been obtained from the State but they could not provide the details of payment of rentals of leased land to the Government. During the course of verification it was also found that the new company has been taken over from erstwhile State owned company by the association made of staffs of earlier SOE, at a value which does not reflect the market prices of such industrial setup. In view of this, exclusion cannot be made regarding the significant distortions carried over from the former non-market economy system. The exporter have argued since the businesses have been in loss for many years, therefore there were no bidders apart from company formed by the staffs of the earlier SOE company. As far as debt rescheduling and write offs are concerned they have submitted that it is a common feature of privatisation of loss making companies in the market economies also. As per para 8 (3) (b), it is essential to examine the process of transformation and how the assets and liabilities of the entity have been valued for the purpose of privatisation. In this connection the Authority notes that the manner in which the process of privatisation has taken place and the fixed and financial assets of the erstwhile state owned company has been transferred to the new company appears to have significantly affected the costs of subject goods. The Authority further notes that the cost of production and the prices in the domestic market do not reflect the market prices, therefore, cannot be accepted for the purpose of this investigation.

24. As regards their claim of its existence of bankruptcy law which guarantees stability and legal certainty, the company claimed that this company faced

significant financial difficulties having been loss making for a number of consecutive years and declared bankrupt. Since it was a State owned company, the liabilities on the part of the company were written off and handed over to a newly formed association made by the existing staff of the company having ****% shareholding along with M/s Gansu Jinbao Investment Company Limited having ****% shareholding. The company could not substantiate with facts that the bankrupt company has been handed over to a new entity in a reasonable and transparent manner and could not demonstrate the non-interference of the State in the entire chain. The company provided a report of the asset valuation of Gansu as on 01.12.2003 and claimed that the assets of the State owned enterprise were taken over by the ICBC bank and the bank took over the assets and put up a Public Notice for the disposal of assets. The discrepancy was observed with regard to the commencement of the new entity in the month of September 2003 whereas the assets of the State owned company has been valued in December, 2003. In support of their claim they provided a copy of the public notice issued by the bank. As per the decision of the court, an amount of RMB**** was determined to be the shortfall between the assets and liabilities of the Gansu linze starch plant and this shortfall was agreed to be funded by the government. The Court has finally made a decision vide its order dated 18.9.2003 stating that the liabilities to the extent of RMB**** need not be paid any more by the new entity and the liquidation group will carry out the other formalities. The Authority observed that the value at which the assets of the State owned entity were transferred to the private ownership and the manner in which the liabilities have been adjusted or written off, distorts the cost of production of the products manufactured from this plant. In this connection the Authority notes that the manner in which the privatization has taken place and the assets of the erstwhile State owned enterprise has been transferred to the new company appears to have significantly affected the cost of production for the subject goods.

25. In respect of drawback receiveable from the government, the exporting company claimed at the rate of 13% and called for adjustment in the export price. However, in case of exports to India the sale from the factory is accounted for as home market sale to Anhui as purchased material locally and invoices were raised inclusive of VAT at the rate of 17%. & claimed adjustment on account of refund of drawback in their export price. The Authority verified and considered the claim of adjustment on account of refund of drawback to determine the ex-factory export price.

26. As regards the exchange rate conversions are carried out at the market rate, the bank realization certificates were verified the as proof of receipt of the export proceeds. These realisation certificates showed the invoice number, the US \$ amount, the amount deducted by the bank as bank charges and the net amount credited to Anhui. The exchange rate at which the US \$ was converted into RMB was also shown in the bank certificate. All these details were verified by the team and found to be in order.

27. The Authority notes that the Chinese company did not provide sufficient evidence to demonstrate that their business decisions are not subjected to State interference. Further it was observed that the transactions have not been carried out without significant distortions, which is evidenced by the transactions with the erstwhile State owned entity. The Authority observed that the value at which the assets of State owned entity were transferred to the private ownership and the manner in which the liabilities have been adjusted or written off by the State, distorts the cost of production of the products manufactured from this plant. In this connection the Authority notes that the manner in which the assets of the erstwhile State owned enterprise has been transferred to the new entity appears to have significantly affected the cost of production for the subject goods. Therefore, the Authority is of the opinion that the cost of production and its prices in the domestic market do not reflect the correct market price of the product and cannot be accepted for the purpose of this investigation. In view of the above, the Authority could not grant market economy status to the responding co-operative Chinese producer.

28. It is noted that the cooperative exporter from China has provided the domestic sales transaction details for the purpose of determination of normal value in the country of exports in respect of the product under consideration. However, in view of the significant distortion in the cost and prices due to the influence of transfer of company concerned, the Authority is of the opinion that the cost and prices of the product in the domestic market would not reflect the costs and prices as per market signals, hence proposed to construct the normal value of the subject goods in China PR in terms of para 7 of Annexure I of AD Rules;

Para 7 of Annexure I provides that, *"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected in a reasonable manner (keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question) and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation if any made in similar matters in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."*

29. The interested parties have argued that the normal value in a non market economy country shall be required to be determined on the basis of prices from

third country to other countries including India. The Authority has examined the arguments of the interested parties with reference to the rule quoted above and notes that sufficient reliable information on cost of production and prices of the subject goods in any comparable country was not available for the selection of an appropriate third country for determination of normal value. Therefore, it was not possible to determine the normal value based on the prices or constructed value in the market economy third country. None of the interested parties placed any material before the Authority for selection of an appropriate third country, on the other hand the domestic industry in their application clearly indicated that the normal value may be constructed on the basis of price paid or payable in India duly adjusted for reasonable profit margin in a market economy country. As regards the second option of determination of normal value on the basis of prices from third country to other country including India was examined on the basis of import statistics made available by the DGCI&S. It was observed that the import prices from other countries to India as per the DGCI&S statistics were not appropriate for determination of normal value since the volume of imports from other countries to India were diminimis. It is noted that the imports from countries other than subject countries are below the de minimis limits except imports from Malaysia and countries attracting anti dumping duty. However, it is noted that the domestic industry has stated that there is no producer of subject goods in Malaysia and the imports may be of Chinese origin. In view of this, the Authority constructed the normal value as per price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted. The raw materials for manufacturing Citric Acid at the international price, the consumption norms of the industry and reasonable profit have been considered for constructing the normal value for China PR. The normal value is therefore, constructed as US\$****/Kg.

EXPORT PRICE

30. Anhui has provided invoice wise details of exports of Citric Acid made to India during the period of investigation. They exported 330 MT of Citric Acid during the POI and it has been considered for determination of export price. In order to arrive at the ex factory export price, the company has claimed adjustments on account of inland freight, overseas freight, overseas insurance and VAT. The Authority considered the claim of adjustments on the basis of verified data to arrive at ex-factory export price of Citric Acid exported to India during the period of investigation. The Authority has determined the ex-factory export price as US\$ ****/Kg.

OTHER EXPORTERS/PRODUCERS FROM CHINA PR

NORMAL VALUE

31. It is noted since there were no other exporters/producers cooperated apart from the responding exporters in China PR, the Authority has constructed the normal value as per para 7 of Annexure-I of AD Rules for all other

exporters/producers from China, PR. The raw materials for manufacturing Citric Acid at the international price, the consumption norms of the industry and reasonable profit have been considered for constructing the normal value. The normal value is, therefore, constructed as US\$****/Kg.

EXPORT PRICE

32. The export price is determined on the basis of import statistics made available by DGCIS. To arrive at ex-factory export price, adjustments have been considered as provided by the domestic industry. The ex-factory export price is determined as US\$****/Kg for all other exporters/producers from China PR.

E.5 UKRAINE

33. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of assessing the Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years Ukraine has been treated as a non-market economy country in the anti- dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instance case, Ukraine has been proposed to be investigated as non-market economy Country.

34. The Authority sent market economy treatment (MET) questionnaire and exporters questionnaire to all the known exporters (whose details were made available by the applicant) for the purpose of determination of normal value. The Government of Ukraine has filed submissions for its claim of market economy Status but did not file submissions as per para 8(4) of Annexure-I of AD Rules in the MET questionnaire.

35. The Trade and Economic Mission of Embassy of Ukraine, India filed the exporters response in respect of Kharkov Plant of Citric acid, Ukraine. They have stated that the Kharkov Plant of Citric acid was formed as per the decision of the regional officer of state ownership of Ukraine in Kharkov region of 21/1/96 by means of transformation of national enterprise "The Kharkov Plant of Citric Acid" into the public corporation. The plant performs the production and selling of the subject goods independently.

36. The company did not file complete information regarding the domestic sales and export sales in Appendix 1 & Appendix 2. They did not file the information in Appendix 5 and Appendix 6. As regards, the information in Appendix 4 and Appendix 7 incomplete information have been provided. The cost of production with regard to domestic sales, export sales and exports to third

country has not been filed. The profit and loss account and the balance sheet for the POI and preceding years have not been furnished to analyse the costing and financial information of the company. The deficiency letter was sent on 4/11/04 to file the complete submission in the exporter's questionnaire in the form and manner specified by the Authority. Further reminders were also sent stating that in absence of complete information, they will be treated as non cooperative and the normal value will be constructed as para 7 of the AD Rules related to non market economies, which they did not respond.

37. The determination of normal value in respect of Ukraine is to be carried out in accordance with the rules relating to non-market economies as contained in Para 7 & 8 of Annexure-1 of AD Rules as amended. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

38. Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in subparagraph (3)."

39. It is noted that the responding company did not furnish complete information/ evidence as mentioned in para 8(3) of Annexure 1 of AD Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether;

- a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

40. The Government of Ukraine filed a claim of market economy status but not as required under para 8 (4) of Annexure 1 of AD Rules. In view of this provision any country may claim for a market economy status provided the claimant country is able to fulfil the following conditions to the satisfaction of the Authority,

- i) the concerned country has been determined to be or treated as a market economy for the purpose of AD investigations by WTO Member country;
- ii) such a treatment or determination shall be based on the latest detail evaluation of relevant criteria which includes the four criteria specified in para 8 (3) of Annexure 1;
- iii) evaluation has been made in a public document

41. It is noted that the Government of Ukraine did not furnish the complete information/evidence to rebut the presumption of non market economy as required under para 8(4) of Annexure-1 of AD Rules. The exporter was asked vide letter dated 3.2.2005 that their submissions are grossly deficient and most of the appendixes of the exporters questionnaire are incomplete. The Authority also intimated that in case of non-submission of required documents the firm will be treated as non-cooperative and the normal value will be determined as per para 7 of Annexure I of AD Rules. The Ukrainian Government has also been asked to file the complete submission for their claim of market economy as required under para 8(4) of Annexure I of AD Rules. It was also stated that in absence of complete information the normal value in respect of all exporters/producers from Ukraine will be determined as per Rules relating to non-market economies as contained in para 7 of Annexure I of AD Rules. The Authority further reminded both the Ukrainian Government and the responding exporter vide its letters dated 28.2.2005 but nothing was heard either from the exporter or from the Government, therefore the Authority found it appropriate to construct normal value as per para 7 of Annexure I of AD Rules. In absence of

complete information the Authority could not grant market economy status to Ukraine and market economy treatment to the responding company. The interested parties have argued that the normal value shall be required to be determined on the basis of prices from third country to other countries including India. The Authority has examined the arguments of the interested parties with reference to the rule quoted above and notes that sufficient reliable information on cost of production and prices of the subject goods in any comparable country was not available for the selection of an appropriate third country for determination of normal value. Therefore, it was not possible to determine the normal value based on the prices or constructed value in the market economy third country. None of the interested parties placed any material before the Authority for selection of an appropriate third country, on the other hand the domestic industry in their application clearly indicated that the normal value may be constructed on the basis of price paid or payable in India duly adjusted for reasonable profit margin. As regards the second option of determination of normal value on the basis of prices from third country to other country including India was examined on the basis of import statistics made available by the DGCI&S. It was observed that the import prices from other countries to India as per the DGCI&S statistics were not appropriate for determination of normal value since the volume of imports from other countries to India were diminimis. It is noted that the imports from countries other than subject countries are below the de minimis limits except imports from Malaysia and countries attracting anti dumping duty. However, it is noted that the domestic industry has stated that there is no producer of subject goods in Malaysia and the imports may be of Chinese origin. In view of this, the Authority constructed the normal value as per price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted. In view of the non-cooperation the normal value in respect of all exporters / producers from Ukraine is determined as per rules relating to non-market economies as contained in Para 7 of Annexure-1 of AD Rules. In view of the above, the normal value has been constructed for all the producers / exporters from Ukraine on the basis of raw materials at the international price, the consumption norms of the industry and reasonable profit. The normal value is therefore, constructed as US\$****/Kg. for all exporters / producers from Ukraine.

EXPORT PRICE:

42. The export price is determined on the basis of import statistics provided by DGCI&S. As per DGCI&S import statistics Ukraine has exported 943MT of citric acid during the POI. To arrive at ex-factory export price, adjustments have been considered as provided by the domestic industry. The ex-factory export price is determined as US\$****/Kg. for all exporters / producers from Ukraine.

E.6 KOREA RP**NORMAL VALUE:**

43. The Korean Government has submitted that the total exports of Citric Acid from Korea RP to all countries including India during the POI is only 108 MT and the exports of Citric Acid from Korea to India is merely 20 tons as per the official Korean Export Statistics. In this regard the Korean Embassy, New Delhi has filed the official statistics of direct exports of Citric acid from Republic of Korea to all countries for the period January 2003 to 12th October 2004. They have stated that M/s. Shinwon Industry Company, Korea has exported only one consignment of 20 MT of Citric Acid during the POI. M/s. Shinwon Industrial Company, South Korea in its e-mail dated 11/11/2004 has also stated that they have exported only 20 MT of Citric Acid during the POI, which is a very small quantity and did not file the response in the exporters questionnaire. The Korean Government has once again vide its letter 24.6.2005 has submitted that as per the statistics of Korean Customs Service only 20 tons of Citric Acid have been exported by Shinwon Industrial Company during the period of investigation and requested the Indian Authority to exclude Korea RP from this investigation.

44. The domestic industry has submitted that the submissions made by the Korean Government regarding the discrepancy in the import data reported as per DGCIS and the export statistics provided by the Korean Government may be dealt by the appropriate authority. They have further stated that this re-enforces apprehension that the subject goods claimed to have been originating from Korea may possibly be of Chinese origin. Since the country of origin investigation may takes its own time, the domestic industry has submitted that the submission of the Korean Embassy may be accepted and anti-dumping investigation may be carried for the subject goods originating in or exported from China PR and Ukraine. The interested parties have argued that the Korean import statistics is not reliable since the Indian importers have filed the certificate of origin regarding their exports from Korea before the Customs, therefore the submissions of the Korean Government is not in order. On examination of the arguments of the interested parties, the Authority is of the view that the actual import volumes of Citric Acid from Korea could not be ascertained. On the basis of information received from Customs, the Authority is not in a position to determine the actual import volumes from Korea, since the traders from other countries have effected these exports.

45. In view of the above, the Authority considered the Korean exports as de-minimis as it is less than 3% in the total imports of Citric Acid during the POI. Therefore, Korea RP has been excluded from the subject countries in this investigation and their volume of imports has been segregated from dumped imports for the purpose of injury examination. In view of the above, Korea RP has been excluded from the subject countries in this investigation. Henceforth, only

China PR and Ukraine shall constitute as subject countries in this investigation wherever it is referred.

E.7 DUMPING MARGIN

46. Based on the normal value and export price as determined above, the Authority determined the dumping margin as under:

SUBJECT COUNTRIES/EXPORTERS/PRODUCERS	NORMAL VALUE	EXPORT PRICE	DUMPING MARGIN(%)
M/S. GANSU XUEJING BIOCHEMICAL LTD., CHINA PR,	****	****	7.21%
OTHERS EXPORTERS/PRODUCERS FROM CHINA PR	****	****	39.62%
UKRAINE	****	****	42.24%

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

F.1 VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES

47. The views of the interested parties are summarized below;

- i) The vast variation in the consumption norms from the standard norm during the 2003 & 2004 period clearly indicates the reason for high cost of production of the subject goods.
- ii) The domestic industry's cost of production is much on the higher side since sugar being the major raw material and it has not achieved the optimum capacity utilisation therefore their cost of production need not be taken as constructed normal value.
- iii) The domestic industry has themselves acknowledged that the industry has undergone a change during 2001-2002 to 2003-2004 and this change has led to surge in imports because one of the producer of the subject goods M/s Citirgia closed down its production facilities.
- iv) The domestic industry themselves acknowledged that the output and capacity utilisation has improved during the POI if taken into account that the trial production has started during 2000-2001.
- v) Due to the closure of one of the producer of the subject goods and the prevailing demand in the market, imports were imperative to fulfil the demand.
- vi) The sales volume of the domestic industry has increased during the POI.

vii) The price has reduced by 26% during 2003-2004 whereas the custom duties has come down by 42.85% during the same period. This itself accounts for the reduction in the cost of product to the consumer.

viii) The productivity of the domestic industry has improved and the inventories situation has also improved during the POI.

viii) While most of the parameters of injury are indicating positive trend, therefore no material injury due to dumped imports. There is no injury to the domestic industry and there is no causal link between the Chinese imports and injury to the domestic industry due to such imports.

F.2 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

48. The views of the domestic industry are summarized below;

i) The selling price of the domestic industry has declined more than the dumped price, which indicates the domestic industry has suffered on account of price injury. Due to the continuance decrease in import prices, the domestic industry was forced to decrease its prices below cost to match the prices of dumped imports.

ii) The increase in market share by 2.04% is negligible when the demand has increased by 30%, therefore it is not correct to say that the domestic industry has not suffered on account of loss of market share.

iii) The domestic industry has operated only for four months registering a sale of 7566 MT during 2001-02 whereas during the POI it registered a sale of 10203 MT. The comparison may be done on annualized basis.

iv) The comparison of cost of production from the base year 2001-02 is not appropriate since it was under trial production and all the costs were capitalized whereas the commercial production started only in 2003-04.

v) The capacity utilisation has increased by only 3% if the base year figure is annualized for the purpose of comparison, whereas the demand has increased by 30%. They have also submitted that the capacity utilisation during the POI cannot be said to be optimum and the plant is still unutilized due to inability of the domestic industry to sale the subject goods when the total demand has increased by 30%.

vi) They have submitted that there are no factors other than dumped imports, which has affected the selling prices of the domestic industry. The selling price has declined by 18% during the POI whereas the dumped prices have declined by 17% during the same period.

vii) The domestic industry has submitted that they have suffered losses in the entire injury period that does imply that there is no return on capital employ by the domestic industry. The domestic industry has improved their losses in comparison to the trial run period since it was capitalized. The company was under the trial run during the period 2001-02 and 2002-03, as such the costs for these years have been capitalized which has not been considered as revenue cost for the purpose of ascertaining profit or loss.

viii) As per the general practice the Designated Authority carries out the trend analysis for the entire injury period i.e., POI and preceding years however, there is no legal bar preventing the Authority from carrying out the injury analysis only for the POI for which reliable and acceptable data is not available.

ix) The inventory has declined due to the decline in the sales price of the domestic industry. The domestic industry has submitted that the growth in capacity utilisation, production, sales, productivity, market share, and profitability is either marginal or negative.

x) The domestic industry may show some apparent improvement in some of the injury parameters, but the same has been washed away by the low price dumped imports which has cascading effect on production, sales, capacity utilisation, cost of production and profitability.

xi) The domestic industry has argued that the import volumes have increased by 25% over the injury period and at the same time it undercuts the domestic prices by 14-23% indicates the injury due to dumped imports.

xii) The market share which has improved by 2% during the injury period in the increased demand of 30% during the same period, therefore the balance 28% has been taken over by the dumped imports clearly shows injury to the domestic industry.

xiii) As regards the loss to the domestic industry, they have submitted that in absence of loss and profit account during the trial period the trend analysis for the injury period is based on the arithmetical figure which is not appropriate, therefore a quarterly assessment of profit and loss account will show injury to the domestic industry.

F.3. CUMULATIVE ASSESSMENT OF THE EFFECTS OF IMPORTS CONCERNED

49. As per annexure-II (iii) of Anti Dumping Rules, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as

percentage of export price and the volume of the imports from each country is more than 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject countries is more than 2%. The volume of imports from subject countries collectively is about 45% and individually it is more than 3% of the total imports during the POI.

50. On examination of information, the Authority found that the prices of the subject goods of subject countries were comparable. These have been imported under the same tariff classification. The user industry for the imported product and the domestic products were the same and the same product has been sourced from different countries by user industry and used interchangeably. The channels of imports are also found to be similar. The Authority has, therefore, found it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and like domestic product.

VOLUME AND MARKET SHARE OF DUMPED IMPORTS

51. The authority considered the transaction-wise DGCI&S import data for the purpose of determination of level of imports from subject countries. It is noted that the imports from subject countries have increased in absolute terms and also as percentage of total imports, total demand and domestic production.

IMPORTS of SUBJECT COUNTRIES IN TOTAL IMPORTS			
	2001-02	2002-03	2003-04
CHINA (MT)	1101	947	2138
UKRAINE (MT)	000	433	943
SUBJECT COUNTRIES(MT)	1101	1380	3081
OTHER COUNTRIES	4412	2019	3755
TOTAL IMPORTS	5513	3399	6835

52. It is evident from the above table that the imports from the subject countries have increased from a level of 1101 MT during 2001-02 to 3081 MT during POI. The total increase over the same period is almost 3 times of the imports for the period 2001-02. Moreover, the increase during the period of investigation as compared to previous year 2002-03 is much more than the increase in the year 2002-03 as compared to the base year 2001-02.

SHARE OF IMPORTS OF SUBJECT COUNTRIES IN TOTAL IMPORTS			
	2001-02	2002-03	2003-04
CHINA	19.97%	27.86%	31.27%
UKRAINE	0.00%	12.74%	13.80%
SUBJECT COUNTRIES	19.97%	40.60%	45.07%

OTHER COUNTRIES	80.03%	59.40%	54.93%
TOTAL IMPORTS	100	100	100

53. It is noted that the share of imports from the subject countries in total imports has increased from 19.97% in 2001-2002 to 45.07% during the period of investigation. The imports from other countries has decreased during the period of investigation since anti-dumping duty was in place against Thailand, Indonesia and for a part of the POI for China PR also. In terms of market share in imports, the share of imports from other countries has decreased from 80.03% during 2001-2002 to 54.93% during the POI.

SHARE OF IMPORTS OF SUBJECT COUNTRIES IN TOTAL DEMAND				
		2001-02	2002-03	2003-04
DAMAND (MT)		13079	14079	17039
CHINA		8.42%	6.73%	12.55%
UKRAINE		0.00%	3.08%	5.53%
SUBJECT COUNTRIES		8.42%	9.80%	18.08%
OTHER COUNTRIES		33.73%	14.34%	22.03%

54. Further, the share of imports from the subject countries in total demand have increased from 8.42% during 2001- 2002 to 18.08% during the period of investigation whereas the share of imports from other countries in total demand have decreased from 33.73% during 2001- 2002 to 22.03% during the period of investigation.

SHARE OF IMPORTS FROM SUBJECT COUNTRIES IN DOMESTIC PRODUCTION				
		2001-02	2002-03	2003-04
PRODUCTION		4099	7626	13247
CHINA		26.86%	12.42%	16.14%
UKRAINE		0.00%	5.68%	7.12%
SUBJECT COUNTRIES		26.86%	18.10%	23.26%
OTHER COUNTRIES		107.63%	25.48%	28.34%

55. It may be seen from the above table that the imports from subject countries as percentage of domestic production has decreased from a level of 26.86% during 2001-2002 to 23.26% during the period of investigation. The authority notes that the dumped imports in absolute terms as well as a percentage of total imports in total demand have increased during the period of investigation.

PRICES**EVOLUTION OF IMPORT PRICES**

56. Between 2001-02 and the POI, the average CIF prices of dumped imports registered a decline over the injury period. The import prices of the subject goods have declined from Rs 37181/MT during 2001-2002 to Rs 30867/MT during the POI.

CIF PRICES	China PR	Ukraine	Subject countries
2001-2002	37181	-	37181
2002-2003	34937	32188	34075
2003-2004	31230	30043	30867

DOMESTIC PRICES

57. It is noted that there were two producers of the subject goods in India namely M/s. Solaris Biochemicals Ltd. and M/s. Citurgia Biochemicals Ltd. The applicant M/s. Solaris Started its trial run of production of the subject goods only from December, 2001 and continued its trial run up to March 2003. The other producer i.e. Citurgia had been producing the subject goods during 2001-02 and 2002-03. However, during the period of investigation it has closed down its operation and did not produce the subject goods. During the POI M/s. Solaris Biochemical Ltd was the only producer of the subject goods. It is noted that the composition of the domestic industry over the years has undergone substantial change. The domestic industry in the comments to the disclosure statement has argued that the comparison of cost of production from the base year 2001-02 is not appropriate since it was under trial production and all the costs were capitalized whereas the commercial production started only in 2003-04. The Authority examined the arguments of the domestic industry and is of the view that the trial production continued period of 18 months. It is further observed that the plant is not a new plant, it has been taken over in running condition by the present management, thus the period of 18 months trial run production does not appear to be justified. Therefore, for the purpose of price analysis, it was found appropriate to carry out the comparisons over the injury analysis period as the selling prices are reflective of the market situation and domestic consumption. The selling price of the domestic industry has declined from 100 during 2001-02 to 81.64 during the POI whereas the cost of production has declined much more in the same period thereby loss position of the domestic industry has improved from -100 to -5.83 during the POI.

		2001-02	2002-03	2003-04
COP	Rs./kg	****	****	****
Index		100.00	53.38	32.18
Selling price	Rs./kg	****	****	****

Index			100.00	92.77	81.64
Profit / Loss		Rs./kg	****	****	****
Index			-100.00	-32.39	-5.83

PRICE UNDERCUTTING

58. A comparison for subject goods during the period under investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the domestic selling price of the domestic industry. The landed value of imports from the subject countries were lower than the net sales realization of the domestic industry for the subject goods during the POI thereby, undercutting the selling price of the domestic industry. The undercutting margin was within a range of 19 % to 32 % during the POI.

PRICE UNDERSELLING

59. The price underselling is an important indicator of assessment of injury, therefore, the Authority has worked out a non injurious price and compared the same with the landed value of imports to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been evaluated for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI and in order to eliminate inefficiencies, the capacity utilization has been normated. The analysis shows that the weighted average landed value of the subject goods from subject countries is much below the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation. The underselling margin was within a range of 22% to 38% during the POI.

SITUATION OF THE DOMESTIC INDUSTRY

60. The authority has examined the injury to the domestic industry keeping in mind the change in the composition of the domestic industry in the Indian market. It is noted that the composition of the domestic industry is not the same over the entire injury investigation period and the domestic industry has changed from the year 2001-02 to period of investigation. It is also noted that the domestic industry has started commercial production of the subject goods only from April, 2003, therefore, it was felt appropriate to make a trend analysis on year-to-year basis over the investigation period taking into account the information provided for the trial production period also since the trial run period was quite long. It is also observed that the operative company was closed for some time after taken over by M/s Solaris and started its production in December, 2001. Moreover, in the year 2001-02, the domestic industry produced only for four months whereas during the period of investigation other producer M/s Citirgia closed down its operations.

DOMESTIC DEMAND

61. Domestic demand of the product under consideration has been arrived on the basis of domestic sales volume of domestic producers and total imports of the subject goods. On this basis, the domestic demand of the subject goods has increased from 100 during 2001-02 to 130.07 during the POI registering an increase of 30.07 % during the POI from the base year 2001 - 2002.

	2001-02	2002-03	POI
Domestic Demand(MT)	13079	14079	17039
Indexed	100	107	130

MARKET SHARE IN DEMAND

62. The market share of dumped imports from subject countries in total demand has increased from 8.42% during 2001-2002 to 18.08% during the POI. The market share of domestic industry in demand has increased from 57.85% in 2001-2002 to 59.89% during the POI. The market share of imports from other countries in demand has decreased from 33.73% during 2001-2002 to 22.03% during the POI.

63. The market share of the domestic industry has slightly improved from 57.85% in 2001-02 to 59.89% during the POI in the increasing demand in domestic market from 100 in 2001-02 to 130.27 during the POI. The share of dumped imports from subject countries in total demand during the POI has also risen sharply by 9% where as market share of imports from other countries have decreased by 11% during the period of investigation. It is noted that in the increased demand the shares of both the domestic industry and imports from subject countries have increased.

	2001-02	2002-03	2003-04
Imports from Subject Countries	1101	1380	3081
Imports from Other Countries	4412	2019	3755
Total Imports	5513	3399	6835
Sales - Domestic Industry	****	****	****
Sales-Others	****	****	****
Sales-Total	****	****	****
Indexed	100	141.15	134.86
Total Demand	13079	14079	17039
Indexed	100.00	107.64	130.27
Share of Domestic industry (%)	57.85	75.86	59.89
Share of Subject Countries(%)	8.42	9.80	18.08
Other countries (%)	33.73	14.34	22.03

253961/05-8

PRODUCTION, CAPACITY AND CAPACITY UTILISATION

64. The production of the domestic industry has increased from 100 during 2001-2002 to 323 during the POI. The capacity utilization of the domestic industry has increased from 20% in 2001-2002 to 52% during POI. It is noted that the domestic industry has increased its output and the capacity utilization during the POI in the increased market demand.

	2001-02	2002-03	2003-04
Capacity	25000	25000	25000
Production (MT)	****	****	****
Indexed	100	186	323
Capacity Utilization	****	****	****
Indexed	100	148.83	258.53

FACTORS AFFECTING DOMESTIC PRICES

65. Changes in the cost structure and competition in the domestic market were examined to analyse the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. There is no viable substitute of citric acid and domestic industry is the sole producer of the subject good, therefore domestic competition did not affect the prices. The interested parties have argued that use of sugar as raw materials and its higher prices instead of starch used by the domestic industry is the main reason of higher cost of production and losses to the industry. The interested parties have also argued that technology of the domestic industry is the cause of injury since the production process of manufacturing citric acid through sugar route instead of starch as the basic raw material and due to this reason cost of production for the domestic industry becomes higher to compete with the imported citric acid. The production process of the Chinese producers were verified and found that the production through the starch route was much economical compared with the production facility through sugar route. The Authority examined the arguments of the interested parties and found that use of sugar as a raw material for manufacturing citric acid could be the reason for higher cost of production.

PROFIT, RETURN ON CAPITAL EMPLOYED AND CASH FLOW

66. The applicant started its trial run for producing the subject goods only from December, 2001 and continued trial runs up to March 2003 and started the commercial production from April 2003. The other producer i.e. M/s. Citurgia had closed down its operation and did not produce the subject goods during the period of investigation. Thus, M/s. Solaris Biochemicals Ltd is the only producer of the subject goods during the POI. On examination of ROCE it is found that the

return on capital employed and the cash profit of the domestic industry have improved during the POI. The return on capital employed has improved from – 100 during 2001-2002 to –29.61 during the POI. The cost of production of the domestic industry has declined from 100 during 2001-02 to 32.18 during the POI whereas the selling price did not decline in the same proportion during the same period and thereby the domestic industry has improved its losses during the POI.

		2001-02	2002-03	2003-04
COP	Rs./kg	****	****	****
Index		100.00	53.38	32.18
Selling price	Rs./kg	****	****	****
Index		100.00	92.77	81.64
Profit / Loss	Rs./kg	****	****	****
Index		-100.00	-32.39	-5.83
Return on Capital Employed	%	****	****	****
Index		-100.00	-160.77	-29.61
Cash Profits	Rs. Lacs	****	****	****
Index		-100.00	-124.20	-3.95

EMPLOYMENT AND WAGES

67. There is no change in the number of employees engaged by the domestic industry during the injury period. The Wages and salary per employee of the domestic industry is more or less the same during the period of investigation and the preceding year. However, it is observed that the productivity of the domestic industry has improved during the POI. It is noted that the domestic industry has improved its productivity even after the same level of employees due to increase in production and capacity utilisation. Hence, the authority could not conclude any findings with regard with injury to the domestic industry on account of this parameter.

	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Wages(Lacs)	****	****	****
No. of Employees(No.)	182	182	182
Wages/Employee(Rs)	****	****	****
Wages/Employee(Indexed)	100	163.70	162.75

PRODUCTIVITY:

68. The productivity per employee has increased which would be clear from the following table. It has increased from 100 during 2001-2002 to 258.53 during the POI. Therefore, the decline in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

	2001-02	2002-03	2003-04
No. of Employees	****	****	****
Index	100.0	100.0	100.0
Productivity per employee (MTPA)	****	****	****
Index	100.00	148.83	258.53
Productivity per man day	****	****	****
Index	100.00	148.83	258.53

INVENTORIES

69. It is noted that inventories have declined during the period of investigation. The stocks have decreased during the POI compared with the base year. In the comments to the disclosure statement, domestic industry clarified regarding the discrepancy in the inventory reporting, which has been corrected for the injury analysis. During 2000-01, inventories constituted 38% of the sales volume of the Citric acid whereas in the period of investigation, it declined to 6.24% of the sales volume. In absolute terms also it declined by 23% during the POI.

	2001-02	2002-03	2003-04
Closing Stock (MT)	****	****	****
Index	100.00	144.17	77.45
Sales (MT)	****	****	****
Closing stocks as the percentage of sales	%	18.13	6.24%

GROWTH

70. During the investigation the Authority examined various parameters related with production and sales and observed that the domestic industry is showing a positive growth in many parameters such as, capacity utilization, production, sales, productivity, market share and profitability during the POI.

MAGNITUDE OF DUMPING MARGIN

71. The magnitude of dumping margin from each of the subject countries is worked out in the dumping examination. These margins established are clearly above diminimis as defined in para iii(a) of the annexure II to rule 11 of the Anti dumping rules.

2003-04 (POI)	China	Ukraine
Dumping Margin	7.21% to 39.62%	42.24%

EVIDENCE OF LOSS CONTRACTS

72. The applicant has claimed that they have lost contracts due to dumped imports from subject countries. The argument was examined and the authority could not find any direct evidence with regard to injury on account of loss contracts. Hence, the authority could not conclude any findings with regard with injury to the domestic industry on account of this parameter.

ABILITY TO RAISE CAPITAL INVESTMENTS

73. It is noted that the domestic industry is incurring losses during the entire injury period and the return on capital employed is also negative but it has improved during the POI. The domestic industry could not plan to invest further since incurring losses during the entire injury period.

F.4 CONCLUSION

74. The domestic industry has claimed that the material injury has been caused by the dumped imports and put forward arguments in support of their claim for causal link between dumped imports from subject countries and injury suffered by them. However the responding exporters have argued that the domestic industry has failed to bring arguments with evidence regarding causality due to dumped imports. The arguments of the interested parties were examined and found that the domestic industry has shown improvement in production, capacity utilisation, sales, profitability and the inventory of the subject goods in relation to the sales has also declined. The profitability of the industry as per unit sale of the subject goods has shown improvement and return on capital employed has also improved. Though the margin of dumping from subject countries and price undercutting were found to be significant, however the overall performance of the industry has shown improvement. In view of the above the Authority concludes that the Domestic Industry has not suffered material injury.

In view of the negative determination on material injury, the Authority did not find necessary to record its finding on causal link.

G. CONCLUSIONS:

75. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The Domestic Industry has not suffered material injury;
- c. Accordingly, the Authority does not recommend imposition of anti-dumping duties on imports of Subject goods from subject countries.

CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority